वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 41 | मंगलवार 14 जुलाई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्य सचिव ने ऋण पुनर्गठन, बैटरी एनर्जी स्टोरेज एवं ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर की प्रगति की समीक्षा की

ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा राजस्थान: श्रीनिवास

डिस्कॉम्स की वित्तीय स्थिति होगी और मजबूत

बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम से पीक आवर्स में महंगी बिजली खरीद पर घटेगी निर्भरता

री-प्राइसिंग से डिस्कॉम्स को मिल रही वार्षिक ब्याज बचत, शेष ऋणों के पुनर्गठन के दिए निर्देश

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्य सरकार के ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर एवं अग्रणी राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में तृतीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विद्युत वितरण निगमों डिस्कॉम्स की वित्तीय स्थिति को और सुदृढ़ बनाने, ऊर्जा अवसंरचना के विस्तार तथा अक्षय ऊर्जा आधारित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में ऊर्जा क्षेत्र के विकास के साथ डिस्कॉम्स की वित्तीय मजबूती सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने वित्तीय अनुशासन, आधुनिक तकनीकों के उपयोग तथा अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन की आवश्यकता बताई।

बैटरी एनर्जी स्टोरेज से मिलेगा उपभोक्ताओं को लाभ

बैठक में बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के पायलट प्रोजेक्ट्स की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं अन्य सौर ऊर्जा परियोजनाओं से उत्पादित अतिरिक्त बिजली के प्रभावी भंडारण के लिए यह तकनीक अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से पीक आवर्स में महंगी बिजली खरीदने की आवश्यकता कम होगी तथा डिस्कॉम्स को प्रतिवर्ष उल्लेखनीय वित्तीय बचत होगी। इसका लाभ आम उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा। उन्होंने परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जयपुर, अजमेर एवं जोधपुर डिस्कॉम के विभिन्न सर्किलों में इन परियोजनाओं के लिए स्थान चिह्नित किए जा चुके हैं।

ऋण पुनर्गठन से मिलेगी अतिरिक्त वित्तीय मजबूती

मुख्य सचिव ने डिस्कॉम्स के ऋण पुनर्गठन की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि आरईसी एवं पीएफसी से लिए गए उच्च ब्याज दर वाले ऋणों की री-प्राइसिंग से डिस्कॉम्स को प्रतिवर्ष उल्लेखनीय ब्याज बचत प्राप्त हो रही है। उन्होंने शेष उच्च ब्याज दर वाले ऋणों की भी शीघ्र री-प्राइसिंग सुनिश्चित करने के लिए संबंधित वित्तीय संस्थाओं के साथ प्रभावी समन्वय एवं वार्ता करने के निर्देश दिए।

ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर के कार्यों में लाएं गति

श्री वी. श्रीनिवास ने ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर फेज-II के अंतर्गत हनुमानगढ़ एवं उदयपुर में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए परियोजनाओं को तय समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से राज्य में अक्षय ऊर्जा के सुगम ट्रांसमिशन को बढ़ावा मिलेगा तथा राजस्थान का ट्रांसमिशन नेटवर्क और अधिक आधुनिक एवं सुदृढ़ बनेगा।

पीएम सूर्य घर योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश

मुख्य सचिव ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अधिकाधिक लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी सूचना, शिक्षा एवं संचार आईईसी कार्ययोजना तैयार कर व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

गायनोलॉजिस्ट संग चिकित्सा मंत्री की उच्चस्तरीय बैठक

मातृ स्वास्थ्य पर सरकार गंभीर: दो वर्षों में मातृ मृत्यु दर में 25 प्रतिशत की कमी, मंत्री खींवसर ने विशेषज्ञों से लिए सुझाव

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और प्रसूताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सोमवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने प्रदेश के शीर्ष गायनोलॉजिस्ट विशेषज्ञों, मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों और जिला अस्पतालों के प्रमुखों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य में हाल ही में सामने आई प्रसूताओं की मृत्यु की घटनाओं का विश्लेषण करना और भविष्य के लिए एक ठोस कार्ययोजना तैयार करना था। बैठक के दौरान चिकित्सा मंत्री खींवसर ने राज्य में मातृ स्वास्थ्य की स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2023-24 में मातृ मृत्यु की संख्या 1,094 थी, जो वर्ष 2024-25 में घटकर 986 रह गई और वर्तमान में वर्ष 2025-26 के आंकड़ों के अनुसार यह संख्या 824 तक पहुंच गई है। इस प्रकार, वर्तमान सरकार के कार्यकाल में मातृ मृत्यु दर में लगभग 25 प्रतिशत की कमी आई है, जो राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। मंत्री ने कोटा, बीकानेर, भीलवाड़ा एवं बांसवाड़ा में हाल ही में हुई प्रसूताओं की मौतों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधिकांश मामले जो इन जिलों के बड़े सरकारी अस्पतालों में सामने आए, वे अन्य स्थानों से रेफर होकर आए थे। उन्होंने कहा कि इन दुर्भाग्यपूर्ण मौतों के पीछे मुख्य रूप से एनीमिया, हाई बीपी जैसे कारण जिम्मेदार रहे हैं।

पर्यावरण जन-जागरण रैली एवं वृक्षारोपण से दिया हरित भविष्य का संदेश

जबलपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय आह्वान पर महाकौशल-विंध्य रीजन द्वारा राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण अभियान-२०२६ के अंतर्गत ''हमारा अभियान-एक वृक्ष सौ पुत्रों समान'' एवं ''वसुंधरा को करें हरा-भरा और सुरक्षित'' संकल्प के साथ भव्य पर्यावरण जन-जागरण रैली एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव विनय जैन के मुख्य आतिथ्य तथा चक्रेश मोदी के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर फेडरेशन एवं महाकौशल-विंध्य रीजन के पदाधिकारी, विभिन्न सोशल ग्रुप्स के अध्यक्ष, पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में दंपती सदस्य उपस्थित रहे। पर्यावरण जन-जागरण रैली बोर्डिंग जैन मंदिर से प्रारंभ होकर शहीद स्मारक के मुख्य द्वार तक निकाली गई। रैली के माध्यम से नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण, अधिकाधिक वृक्षारोपण, जल संरक्षण तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। इसके पश्चात शहीद स्मारक परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया तथा उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया। फेडरेशन के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक नितिन जैन ने बताया कि राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण अभियान का उद्देश्य समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, अधिकाधिक वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर विनय जैन, अजीत नायक, संतोष जैन, आभा जैन, चित्रा घीया एवं संजय चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करने का संकल्प ले, तो धरती को हरित एवं सुरक्षित बनाया जा सकता है। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय रीजन अध्यक्ष मनोज जैन, सचिव हेमंत जैन, कोषाध्यक्ष सुनील घिया, पर्यावरण रैली प्रभारी प्रवीण सिंघई तथा वृक्षारोपण प्रभारी प्रदीप जैन के नेतृत्व में हुआ। सुरेंद्र जैन एवं राविज जैन ने स्वादिष्ट स्वल्पाहार की व्यवस्था की। जबलपुर मेन ग्रुप के निवर्तमान अध्यक्ष मुल्कराज बादशाह एवं अंजली बादशाह ने जामुन एवं अमरूद के १२ पौधे उपलब्ध कराकर कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया। अंत में उपस्थित सभी सदस्यों ने सपत्नीक अधिकाधिक वृक्षारोपण करने, लगाए गए पौधों का संरक्षण करने तथा समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति निरंतर जन-जागरण चलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सभी सोशल ग्रुप्स के अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सदस्य सपत्नीक उपस्थित रहे।

ब्यावरा से इंदौर की ओर राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज का मंगल विहार

विधिपूर्वक अभिषेक एवं शांतिधारा करने से मिलता है अनेक गुना पुण्यफल : मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

ब्यावर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने ब्यावरा से इंदौर की ओर मंगल विहार किया। विहार से पूर्व आयोजित धर्मसभा में उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि विधिपूर्वक अभिषेक एवं शांतिधारा करने से अनेक गुना पुण्यफल प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि संसार के सभी जीवों के सुखी रहने की भावना में अपार शक्ति निहित है। सच्ची भक्ति से आत्मा की आंतरिक शक्तियों का जागरण होता है। मुनिश्री ने कहा कि भक्ति के लिए बाहरी आडंबर की आवश्यकता नहीं, बल्कि पवित्र भावनाओं और निष्काम श्रद्धा की जरूरत होती है। श्रद्धालु यदि बिना किसी विकल्प और अपेक्षा के अपनी क्षमता एवं भूमिका के अनुसार प्रभु भक्ति में लग जाएं तो उसका शुभ परिणाम अवश्य प्राप्त होता है। उन्होंने अभिषेक एवं शांतिधारा की विधि का महत्व बताते हुए कहा कि जैसे गणित के प्रश्न में सही विधि के अंक निर्धारित होते हैं, उसी प्रकार धार्मिक अनुष्ठानों में भी विधिपूर्वक की गई आराधना का विशेष महत्व है। इसलिए प्रत्येक श्रद्धालु को निर्धारित विधि के अनुसार ही अभिषेक और शांतिधारा करनी चाहिए। धर्मसभा में मध्य प्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि ब्यावरा में मूलनायक भगवान श्री पार्श्वनाथ स्वामी की भूगर्भ से प्राप्त प्रतिमा पर परम पूज्य राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के सान्निध्य में पहली बार जगत कल्याण की भावना से महाशांतिधारा का आयोजन होने जा रहा है। उन्होंने इसे नगर एवं समाज के लिए अत्यंत सौभाग्यपूर्ण अवसर बताया। इस अवसर पर डॉ. दिलीप बोबरा, अरविंद कुमार बोबरा परिवार, विनोद कुमार वैद्य परिवार (ईसागढ़) सहित राजेंद्र कुमार एवं अन्य श्रद्धालुओं को महाशांतिधारा का सौभाग्य प्राप्त होगा। इन सभी का सम्मान रामेश जैन, राजेश जैन, ऋषभ जैन सहित समाज के वरिष्ठजनों द्वारा किया जाएगा।

'अपनी चिंता छोड़ दो, जगत तुम्हारी चिंता करेगा'

धर्मसभा में मुनिश्री ने कहा कि संसार दुखी लोगों से भरा हुआ है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा एवं परोपकार करना चाहिए। यदि हम जगत कल्याण की भावना से कार्य करते हैं तो उसका सबसे बड़ा लाभ स्वयं हमें मिलता है। उन्होंने कहा, ''यह मत सोचो कि जगत का कल्याण होगा या नहीं। जगत का कुछ हो या न हो, तुम्हारा कल्याण अवश्य होगा। जब हम अपनी चिंता छोड़ देते हैं, तब जगत हमारी चिंता करने लगता है।'' मुनिश्री ने कहा कि अधिकांश लोग केवल अपने और अपने परिवार तक ही सीमित रहते हैं। यदि वे समाज और विश्व के कल्याण के लिए आगे बढ़ें, तो उन्हें सहयोग और सम्मान देने वालों की कमी नहीं रहेगी। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे प्रतिदिन निर्धारित विधि के अनुसार जगत कल्याण की भावना से महाशांतिधारा करें। इससे भगवान की कृपा एवं प्रतिमा की दिव्य महिमा का अनुभव स्वयं होने लगेगा।

भक्ति रूपी सोपान ही मुक्ति रूपी मंजिल तक पहुंचाती है : आर्यिका विज्ञा श्री माताजी

निवाई में आज होगा जिन सहस्रनाम मंडल विधान, मुनि विलोक सागर महाराज संघ का होगा मंगल प्रवेश

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी संघ के सान्निध्य में सोमवार को स्थानीय बंपुई वालों के चैत्यालय में जिन सहस्रनाम मंडल विधान का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातःकाल देव वंदना, सहस्रनाम भक्ति एवं भगवान के जिन सहस्रनामों का समवशरण सजाया जाएगा। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि 13 जुलाई को प्रातः बंपुई वालों की धर्मशाला स्थित चंद्रप्रभु मंदिरजी में जिन सहस्रनाम मंडल विधान का आयोजन होगा। इसमें भगवान के 1008 नामों की आराधना भक्ति संगीत के साथ की जाएगी। उन्होंने बताया कि आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य मुनि विलोक सागर महाराज संघ का सोमवार प्रातः निवाई में मंगल प्रवेश भी होगा। ग्रीष्मकालीन प्रवास के दौरान आयोजित प्रवचनमाला में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी ने कहा कि ''भक्ति रूपी सोपान ही मुक्ति रूपी मंजिल तक पहुंचाती है। गुरु भक्ति से अज्ञानी भी ज्ञानी बन जाता है और पामर भी परमात्मा बनने की दिशा में अग्रसर हो जाता है।'' उन्होंने कहा कि जैसे पानी की एक बूंद का स्वयं कोई विशेष मूल्य नहीं होता, किंतु सीप की शरण में पहुंचकर वही अनमोल मोती बन जाती है। उसी प्रकार जब कोई जीव गुरु की शरण स्वीकार करता है, तो गुरु के अनंत उपकार उसके जीवन और आत्मा को मोती के समान अमूल्य बना देते हैं। आर्यिका श्री ने कहा कि स्वार्थ की धारा दो रूपों में प्रवाहित होती है। एक धारा व्यक्ति को मतलबपरस्ती, कर्तव्यहीनता और अपकार की ओर ले जाती है, जबकि दूसरी धारा परमार्थ, कर्तव्यपरायणता, परोपकार और निःस्वार्थ सेवा की ओर प्रवाहित होती है। उन्होंने कहा कि स्वार्थ का संबंध संसार से भी है और मोक्ष से भी। संसार का स्वार्थ वासना, कषाय और वैमनस्य का रूप लेकर जीव को दुर्गतियों की ओर ले जाता है, जबकि परमार्थ का मार्ग आत्मकल्याण का मार्ग है। प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि आर्यिका विज्ञा श्री माताजी के सान्निध्य में ग्रीष्मकालीन प्रवास के दौरान आध्यात्मिक योग शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर महावीर प्रसाद पराणा, शिखरचंद काला, राकेश संधी, हुकमचंद जैन, विमल सोगानी, प्रिंस छाबड़ा, विजय टोंग्या, रतनलाल जैन, राजूलाल जैन, प्रेमचंद सोगानी, महिला मंडल अध्यक्ष शशी सोगानी, अनिता छाबड़ा, संजू ललवाड़ी, उर्मिला सोगानी, पदमा जैन, संतोष जैन, स्वाति जैन, निशा जैन, मुन्नी देवी जैन, प्रेमदेवी जैन सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब जयपुर बापूनगर ने लगाया निःशुल्क मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य शिविर

महिलाओं एवं बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर दिए चिकित्सकीय परामर्श

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 के प्रांतपाल अरुण बगड़िया के आह्वान पर ''मेटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ वीक'' के प्रथम दिवस पर रोटरी क्लब जयपुर बापूनगर द्वारा महावीर नगर स्थित जैन मंदिर परिसर में निःशुल्क मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन सतीश गोयल ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट मेटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ कमेटी की चेयरमैन डॉ. प्रभा लुहाड़िया के निर्देशन में आयोजित शिविर में जरूरतमंद महिलाओं एवं बच्चों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं पब्लिक इमेज चेयरमैन रोटेरियन बसंत जैन बैराठी ने बताया कि इस अवसर पर क्लब की ओर से भगवान महावीर चिकित्सालय धर्मार्थ, महावीर नगर, जयपुर को क्लब का लाइफ टाइम सदस्य बनाने के लिए सहयोग राशि भी प्रदान की गई। इस सहयोग में क्लब अध्यक्ष रोटेरियन सतीश गोयल, रोटेरियन आर. के. लुहाड़िया तथा रोटेरियन अखिलेश कुमार जैन का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान हेल्थ संस्थान के ट्रस्टी नीरज गंगवाल ने क्लब अध्यक्ष रोटेरियन सतीश गोयल सहित अन्य उपस्थित सदस्यों का सम्मान किया। इस अवसर पर रोटेरियन सतीश गोयल, श्रीमती बीना गोयल, रोटेरियन पी. सी. सांघी, श्रीमती रेखा सांघी, रोटेरियन अखिलेश कुमार जैन, रोटेरियन आर. के. लुहाड़िया, रोटेरियन राजेश लुहाड़िया एवं रोटेरियन बसंत जैन बैराठी सहित अनेक रोटेरियन्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा समाज के जरूरतमंद वर्ग को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर सहयोग का संकल्प भी दोहराया गया।

महावीर इंटरनेशनल सखी वीरा कोटा ने 'खुशियों की बाजार' अभियान के तहत 50 सूट वितरित

कोटा. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल सखी वीरा कोटा द्वारा 11 जुलाई को सायं 7 बजे 'खुशियों की बाजार' अभियान के अंतर्गत अग्रसेन स्कूल के समीप स्थित कच्ची बस्ती में जरूरतमंद महिलाओं को बीबा कंपनी के सहयोग से 50 सूट वितरित किए गए। इस अवसर पर वीरा सुलोचना बगड़ा, ज्योति बगड़ा, मिथिलेश सांवरिया, छाया जैन, आशा जैन एवं ज्योति जैन उपस्थित रहीं। सभी ने सेवा कार्य में सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। महावीर इंटरनेशनल सखी वीरा कोटा की अध्यक्ष मिथिलेश सांवरिया, सचिव ज्योति जैन तथा कोषाध्यक्ष प्रीति सांवला ने कहा कि संस्था आगे भी जरूरतमंद परिवारों की सहायता एवं सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखेगी।

राजनीति

ईंधन में आत्मनिर्भर बनाएगा एथनॉल

डॉ. रोहित यादव

आजादी के बाद भारत में कुछ ऐसे फैसले हुए हैं, जिन्होंने देश की तस्वीर बदल दी। हरित क्रांति ने हमें अनाज में आत्मनिर्भर बनाया। अब सरकार का एथनॉल कार्यक्रम का मकसद है ईंधन में आत्मनिर्भरता। भारत हर साल कच्चे तेल के आयात पर सात लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करता है। यह पैसा विदेश जाता है, हमारी अर्थव्यवस्था पर बोझ बढ़ता है और हम दूसरे देशों पर निर्भर रहते हैं। जब खाड़ी देशों में तनाव होता है, तब कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं और उसकी मार सीधे आम भारतीय की जेब पर पड़ती है। सरकार का एथनॉल मिशन इसी निर्भरता को तोड़ने की कोशिश है। सरल शब्दों में कहें तो अपने गन्ने से, अपने खेतों से, अपना ईंधन बनाओ। इसी दिशा में हाल में केंद्र सरकार ने 22 प्रतिशत, 25 प्रतिशत, 27 प्रतिशत और 30 प्रतिशत एथनॉल मिले पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी हटा दी। इसका सीधा मतलब है कि अब ज्यादा एथनॉल वाला पेट्रोल बनाना सस्ता होगा। इसके साथ सरकार ने 100 प्रतिशत एथनॉल को भी कानूनी मान्यता दे दी है। जब 2018 में यह योजना शुरू हुई थी, तब पेट्रोल में एथनॉल की मात्रा पांच प्रतिशत से भी कम थी। 2023-24 में यह बढ़कर 15 प्रतिशत से अधिक हो गई। आज पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल (ई-20 ईंधन) मिलाया जा रहा है। ई-20 के राष्ट्रीय स्तर पर लागू होने से सालाना करीब 30,000 करोड़ रुपये का आयात बिल कम होने का अनुमान है। एथनॉल बनाने के लिए भारत के पास पर्याप्त संसाधन हैं। आज ज्यादातर एथनॉल गन्ने के शीरे और खराब या अतिरिक्त अनाज से बनाया जाता है, लेकिन भविष्य में इसके लिए और भी कई स्रोत उपलब्ध हैं। बांस, पराली, फसल कटाई के बाद खेतों में बचा हुआ अवशेष और नगरों से निकलने वाले कुछ प्रकार के कचरे से भी एथनॉल बनाया जा सकता है। इसे दूसरी पीढ़ी का एथनॉल कहा जाता है। इसके लिए खाने-पीने की फसलों का उपयोग नहीं होता, इसलिए खाद्य सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ता। सरकार भी ऐसी परियोजनाओं को बढ़ावा दे रही है, जिससे भविष्य में एथनॉल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार के गन्ना किसान लंबे समय से कम दाम और चीनी मिलों से भुगतान में देरी जैसी समस्याओं का सामना कर रहे थे।

संपादकीय

लोकतंत्र को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में साहसिक पहल

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां चुनाव केवल राजनीतिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव माने जाते हैं। हालांकि, बार-बार होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों के कारण विकास कार्यों की गति प्रभावित होती है, सरकारी मशीनरी लंबे समय तक चुनावी प्रक्रिया में व्यस्त रहती है और सार्वजनिक धन पर भारी खर्च होता है। ऐसे में 'एक देश, एक चुनाव' की अवधारणा लोकतंत्र को अधिक प्रभावी, किफायती और जन-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभरती है। यह विचार नया नहीं है। स्वतंत्रता के बाद वर्ष 1951-52 और 1957 में लोकसभा तथा अधिकांश राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए गए थे। बाद के वर्षों में कई राज्यों की सरकारें समय से पहले गिरने और समयपूर्व चुनाव होने के कारण यह व्यवस्था समाप्त हो गई। अब केंद्र सरकार ने इस दिशा में पहल तेज की है। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित समिति ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट में आवश्यक संवैधानिक संशोधनों और कार्यान्वयन की रूपरेखा प्रस्तुत की है। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ आर्थिक बचत के रूप में देखा जाता है। वर्तमान में लगभग हर वर्ष किसी न किसी राज्य में चुनाव होते रहते हैं। लोकसभा चुनावों पर ही हजारों करोड़ रुपये खर्च होते हैं, जबकि राज्यों के चुनावों को जोड़ने पर यह राशि और अधिक बढ़ जाती है। यदि सभी चुनाव एक साथ कराए जाएं तो चुनावी खर्च में उल्लेखनीय कमी आ सकती है। इसके साथ ही आदर्श आचार संहिता बार-बार लागू नहीं होगी, जिससे विकास योजनाएं और प्रशासनिक निर्णय अनावश्यक रूप से प्रभावित नहीं होंगे। नीतिगत स्थिरता भी इसका एक महत्वपूर्ण पक्ष है। लगातार चुनावी माहौल के कारण सरकारें कई बार दीर्घकालिक योजनाओं की बजाय तात्कालिक और लोकलुभावन घोषणाओं पर अधिक ध्यान देती हैं। एक साथ चुनाव होने से सरकारों को पूरे कार्यकाल में विकास, सुशासन और दीर्घकालिक नीतियों पर अधिक केंद्रित होकर काम करने का अवसर मिलेगा। साथ ही सुरक्षा बलों और प्रशासनिक कर्मचारियों की बार-बार होने वाली चुनावी तैनाती का बोझ भी कम होगा। हालांकि, इस प्रस्ताव को लेकर कुछ महत्वपूर्ण चिंताएं भी सामने आई हैं। कई क्षेत्रीय और विपक्षी दलों का मानना है कि यदि लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ होंगे तो राष्ट्रीय मुद्दे स्थानीय समस्याओं पर हावी हो सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय दलों और स्थानीय जनहित के मुद्दों को अपेक्षित महत्व नहीं मिलेगा। यह चिंता लोकतांत्रिक और संघीय व्यवस्था के दृष्टिकोण से विचारणीय है। कोविंद समिति ने इस संबंध में सुझाव दिया है कि यदि किसी विधानसभा का कार्यकाल बीच में समाप्त हो जाए तो शेष अवधि के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, लेकिन अगला नियमित चुनाव निर्धारित समय पर ही कराया जाए, ताकि चुनावी चक्र बना रहे। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 83, 85, 172 और 174 सहित कई प्रावधानों में संशोधन आवश्यक होंगे।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

तटीय सुरक्षा का अभेद्य कवच बनेगा भारत

कांतिलाल मांडोत

भारत की लगभग 7,500 किलोमीटर लंबी समुद्री तटरेखा देश की आर्थिक समृद्धि, सामरिक शक्ति और राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूत आधारशिला है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का बड़ा हिस्सा समुद्री मार्गों से संचालित होता है, इसलिए बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्य शर्त बन चुकी है। हाल के वर्षों में समुद्री मार्गों के जरिए आतंकवाद, हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी तथा अवैध घुसपैठ की घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की ढिलाई गंभीर खतरा बन सकती है। इसी चुनौती को देखते हुए केंद्र सरकार ने तटीय सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तटीय सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया है कि समुद्री सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने तटीय जिलों के पुलिस अधीक्षकों को मछली बंदरगाहों और फिश लैंडिंग सेंटरों पर स्थायी पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि सुरक्षा व्यवस्था में निरंतरता और जवाबदेही बनी रहे। साथ ही बंदरगाह सुरक्षा ब्यूरो में केवल केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) से प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति तथा प्रमुख बंदरगाहों पर कंटेनर स्कैनिंग को अनिवार्य बनाने पर भी जोर दिया गया है। भारत के सामने समुद्री मार्गों से होने वाली अवैध घुसपैठ लंबे समय से चुनौती रही है। तस्कर और अपराधी अक्सर छोटी नौकाओं या मछली पकड़ने वाले जहाजों का उपयोग कर भारतीय समुद्री सीमा में प्रवेश का प्रयास करते हैं। यदि आधुनिक निगरानी प्रणाली, डिजिटल तकनीक और सतत गश्त के माध्यम से तटीय क्षेत्रों पर कड़ी नजर रखी जाए तो ऐसी गतिविधियों को प्रारंभिक स्तर पर ही रोका जा सकता है। इससे सुरक्षा एजेंसियों को समय रहते कार्रवाई का अवसर मिलेगा और संभावित खतरे काफी हद तक समाप्त हो सकेंगे। समुद्री मार्गों का उपयोग आतंकवादी संगठन भी अतीत में कर चुके हैं। ऐसे अनुभवों ने यह साबित किया है कि तटीय सुरक्षा देश की पहली रक्षा पंक्ति है। इसके साथ ही समुद्री रास्तों से नशीले पदार्थों, हथियारों और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी भी सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई है। आधुनिक कंटेनर स्कैनिंग प्रणाली और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी से संदिग्ध सामग्री की पहचान अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी, जिससे तस्करी के नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगेगा। तटीय सुरक्षा केवल पुलिस या सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी नहीं है। इसमें तटरक्षक बल, नौसेना, राज्य पुलिस, खुफिया एजेंसियां, बंदरगाह प्राधिकरण और स्थानीय मछुआरा समुदाय की समान भागीदारी आवश्यक है। समुद्र में संदिग्ध गतिविधियों की पहली सूचना अक्सर मछुआरों को ही मिलती है। उनके साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर सुरक्षा तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। भारत वैश्विक व्यापार का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में सुरक्षित समुद्री सीमाएं और आधुनिक बंदरगाह सुरक्षा व्यवस्था देश की आर्थिक प्रगति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। गृह मंत्री का स्पष्ट संदेश है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

विजयवर्गीय समाज सेवा समिति, मानसरोवर ने मनाया वृक्षारोपण महोत्सव

अशोक, नीम, आम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर। अखिल भारतीय विजयवर्गीय वैश्य महासभा, प्रादेशिक सभा एवं स्थानीय शाखा जयपुर के आह्वान पर विजयवर्गीय समाज सेवा समिति, मानसरोवर, जयपुर के तत्वावधान में रविवार को सामुदायिक केंद्र, सेक्टर-८, अरावली मार्ग, मानसरोवर में वृक्षारोपण महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अशोक,

नीम, आम सहित विभिन्न छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित समाजबंधुओं ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। इस अवसर पर महासभा के संरक्षक संतोष जी, उपाध्यक्ष राजेंद्र जी एडवोकेट, प्रदेश चुनाव अधिकारी राजेश जी, पूर्व अध्यक्ष प्रेम नारायण जी, समिति अध्यक्ष आनंद विजयवर्गीय, महामंत्री दिनेश कुमार विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष योगेश विजयवर्गीय, मुख्य सलाहकार सुरेंद्र जी, संतोष जी गुडलिया, राजेंद्र जी भाखरी, विनोद जी, महेन्द्र जी, राकेश जी, जितेंद्र जी, मनोज जी, रामजीलाल जी तथा युवा संयोजक रविशंकर जी सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिला संयोजिका अनीता विजयवर्गीय के साथ मातृशक्ति से शकुन्तला विजयवर्गीय, निर्मला, मीनू, विनती, इंदु, सुनीता, शशि, लतेश, मीना, रीना, कुसुम एवं मंजू की विशेष सहभागिता रही। समिति अध्यक्ष आनंद विजयवर्गीय ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक वृक्ष लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए, तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित वातावरण मिल सकेगा। यह जानकारी शकुन्तला आनंद विजयवर्गीय ने प्रदान की।

आर्यिका श्री 105 आनंदनंदनी माताजी का समाधि मरण, श्रद्धाभाव से निकली डोल यात्रा

कोलकाता. शाबाश इंडिया

जैन समाज के लिए रविवार अत्यंत भावुक एवं वैराग्यमय क्षण लेकर आया। विगत कई दिनों से यम-सल्लेखना व्रत का पालन कर रही क्षुल्लिका श्री १०५ विमलनंदनी माताजी ने परम पूज्य आचार्य श्री १०८ वसुनंदी जी महामुनिराज के करकमलों से आर्यिका दीक्षा ग्रहण की। दीक्षा के उपरांत उनका नाम आर्यिका श्री १०५ आनंदनंदनी माताजी रखा गया। दीक्षा ग्रहण करने के पश्चात रविवार प्रातः लगभग १० बजे उन्होंने पूर्ण समता, वैराग्य एवं शांत भाव से अपने नश्वर शरीर का त्याग कर जैन परंपरा के अनुसार समाधि मरण प्राप्त किया। इस समाचार से कोलकाता सहित देशभर के जैन समाज में शोक एवं श्रद्धा का वातावरण व्याप्त हो गया। आर्यिका श्री आनंदनंदनी माताजी की अंतिम डोल यात्रा दोपहर लगभग २:३० बजे श्री १००८ पार्श्वनाथ दिगंबर जैन उपवन मंदिर, बेलगछिया से प्रारंभ हुई। डोल यात्रा श्रद्धालुओं की उपस्थिति में बेलगछिया से काशी मित्र घाट (बागबाजार) पहुंची। इसके उपरांत दोपहर लगभग ३:३० बजे काशी मित्र घाट पर जैन परंपरा एवं विधि-विधान के अनुसार आर्यिका श्री आनंदनंदनी माताजी का अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और उन्होंने गहन श्रद्धाभाव के साथ अंतिम दर्शन कर माताजी के चरणों में अपनी भावांजलि अर्पित की। पूरे आयोजन के दौरान कोलकाता एवं बृहत्तर कोलकाता के जैन समाज में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने आर्यिका श्री के त्याग, तप एवं वैराग्यपूर्ण जीवन को स्मरण करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

भव्य शोभायात्रा के बाद भगवान मुनिसुव्रतनाथ की प्रतिमा मूल वेदी पर विराजमान

नौगामा में भक्तिमय वातावरण, जयकारों से गूंजा पूरा नगर

नौगामा (जिला बांसवाड़ा)। भगवान मुनिसुव्रतनाथ की प्रतिमा नगर भ्रमण के उपरांत रविवार को सुखोदय तीर्थ नसियाजी में भव्य धार्मिक अनुष्ठान के बीच मूल वेदी पर हर्षोल्लास के साथ विराजमान कराई गई। इस अवसर पर संपूर्ण नौगामा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा और भगवान के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। प्रतिमा की भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। शोभायात्रा में सुसज्जित बैंड-बाजों, धार्मिक भजनों एवं मंगल गीतों के साथ भगवान की प्रतिमा का नगर भ्रमण कराया गया। शोभायात्रा में सौधर्म इंद्र के स्वरूप में हाथी पर विराजमान श्रद्धालु द्वारा पुष्पवृष्टि की गई। महिलाएं मंगल कलश धारण किए केसरिया परिधान में तथा पुरुष श्वेत वस्त्रों में शामिल हुए।

बालिकाएं हाथों में पंचरंगी जैन धर्म ध्वज लेकर चल रही थीं, जिससे शोभायात्रा अत्यंत आकर्षक एवं भव्य दिखाई दे रही थी। नगरवासियों ने विभिन्न स्थानों पर भगवान को श्रीफल अर्पित कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की तथा तिलक कर पूजा-अर्चना की। घरों के बाहर तोरणद्वार सजाए गए और रंगोलियां बनाकर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। इस अवसर पर वैष्णव समाज के प्रतिनिधियों ने भी भगवान को श्रीफल अर्पित कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। शोभायात्रा सुखोदय तीर्थ नसियाजी पहुंची, जहां सुयश प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया एवं विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी के मंत्रोच्चार के बीच क्रेन की सहायता से भगवान मुनिसुव्रतनाथ की प्रतिमा को विधि-विधानपूर्वक मूल वेदी पर विराजमान कराया गया। प्रतिमा विराजमान होते ही पूरा परिसर भगवान के जयकारों से गूंज उठा और श्रद्धालुओं में अपार उत्साह एवं आनंद का वातावरण छा गया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री महेंद्र सिंह मालवीय, मंदिर निर्माणकर्ता दिनेश जी, वर्धमान हॉस्पिटल के प्रोपराइटर धनपाल जी, मोतीलाल जी, मूर्ति पुन्यार्जक प्रदीप, रतनलाल, कमल वेदी के पुन्यार्जक भरत पंचोली तथा यंत्र विराजमान कराने वाले चौधरी नंदन जी, चरण जी, रतनलाल एवं मीठालाल जी सहित अन्य अतिथियों का जैन समाज द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में जैन समाज अध्यक्ष विपुल पंचोली, उपाध्यक्ष संजय गांधी, कोषाध्यक्ष राजेश गांधी, वास्तुशास्त्री श्रीपाल नानावटी तथा आशीष पिंडारमियां ने सभी का आभार व्यक्त किया। नवयुवक मंडल अध्यक्ष मुकेश गांधी ने आयोजन को सफल बनाने वाले नवयुवक मंडल के कार्यकताओं एवं सहयोगियों के प्रति विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। जैन समाज के प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

स्वस्तिभूषण माताजी ने अकलंक शोध संस्थान का किया अवलोकन

पांडुलिपियों के संरक्षण एवं प्राकृत भाषा पर हो रहे शोध कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना

कोटा. शाबाश इंडिया। परम पूज्य भारत गौरव, स्वस्तिधाम प्रणेत्री गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी का इन दिनों कोटा एवं आसपास के क्षेत्रों में प्रवास चल रहा है। उनके सान्निध्य में विभिन्न धार्मिक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों के माध्यम से धर्म प्रभावना हो रही है। इसी क्रम में गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी का संघ सहित अकलंक शोध संस्थान में मंगल पदार्पण हुआ। संस्थान के प्रवेश द्वार पर उनका श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया। इसके पश्चात माताजी ने संस्थान में संरक्षित प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों का अवलोकन किया तथा विभिन्न दुर्लभ पांडुलिपियों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। माताजी ने संस्थान में प्राकृत भाषा एवं प्राचीन साहित्य पर किए जा रहे शोध कार्यों का भी अवलोकन किया। संस्थान के पदाधिकारियों ने उन्हें शोध गतिविधियों, पांडुलिपियों के संरक्षण की प्रक्रिया तथा भारतीय ज्ञान परंपरा को संरक्षित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण हेतु संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों की गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की तथा अपना आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने संस्थान में सुरक्षित शोध सामग्री एवं पांडुलिपियों का अत्यंत एकाग्रता एवं रुचि के साथ अवलोकन किया और उन्हें जैन समाज की अमूल्य धरोहर बताया।

गुरु की शरण ही सबसे उत्तम शरण है : आर्यिका सुकाव्यमति माताजी

नेमीसागर कॉलोनी में श्री नेमिनाथ मंडल विधान एवं भक्तामर अनुष्ठान में उमड़े श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुरु की शरण ही सबसे उत्तम शरण है। गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा और समर्पण से ही संसार सागर को पार किया जा सकता है। ये उद्गार आर्यिका 105 श्री सुकाव्यमति माताजी ने प्रवचन के दौरान व्यक्त किए। इन दिनों आर्यिका संघ का प्रवास नेमीसागर कॉलोनी में चल रहा है। श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे. के. जैन कालाडेरा ने बताया कि प्रवास के दौरान रविवार को श्री नेमिनाथ मंडल विधान का संगीतमय आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनिल जैन एवं बबीता जैन (धुआं वालों) को सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सायंकाल आर्यिका संघ के सान्निध्य में 48 दीपकों से भक्तामर ऋद्धि-मंत्रों का अनुष्ठान आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव से सहभागिता की। कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन, शास्त्र भेंट एवं पाद प्रक्षालन के पुण्यार्जक श्रीमती संतोष बाकलीवाल एवं परिवार रहे, जबकि भक्तामर अनुष्ठान के पुण्यार्जक सुभाष-लक्ष्मी बगड़ा तथा श्रीमती श्यामा रानी वाला परिवार रहे।

नवकार ग्रुप के 16 सदस्यों की धार्मिक यात्रा संपन्न

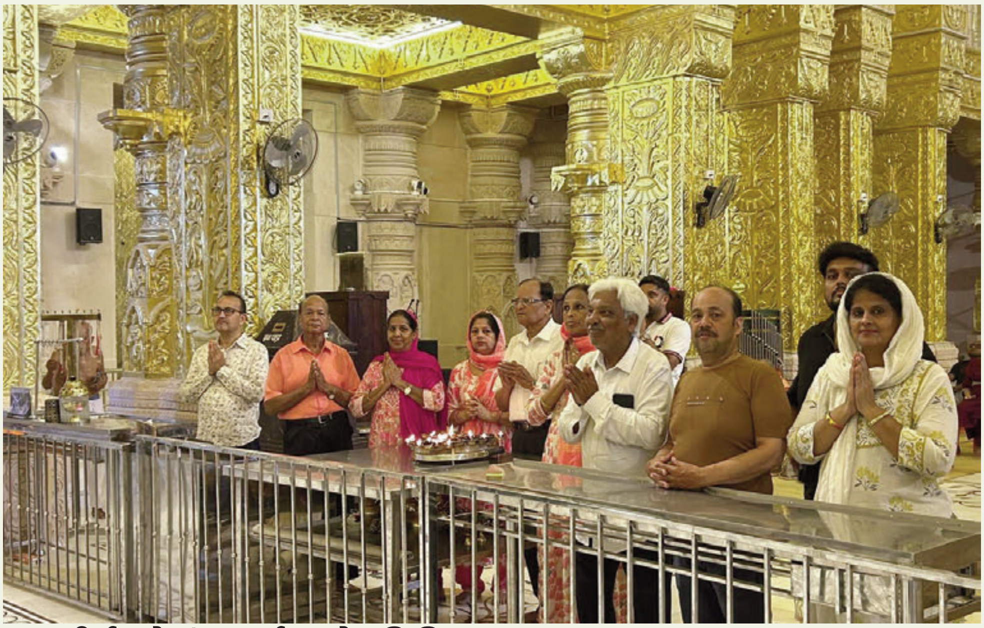

ज्ञान तीर्थ, गोपांचल पर्वत, सोनागिरि एवं गोलाकोट में किए दर्शन-पूजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

नवकार ग्रुप के अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने बताया कि ग्रुप के 16 सदस्यों की चार दिवसीय धार्मिक यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यात्रा का शुभारंभ 9 जुलाई को सायं 7 बजे भट्टारक जी की नसियां, नारायण सिंह सर्किल, जयपुर से हुआ। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने सबसे पहले मुरैना स्थित ज्ञान तीर्थ में भगवान के दर्शन, पूजन एवं प्रक्षाल किए। इसके बाद ग्वालियर के गोपांचल पर्वत, सोनागिरि तथा गोलाकोट स्थित स्वर्ण मंदिर के दर्शन किए। गोलाकोट के स्वर्ण मंदिर की भव्य वास्तुकला एवं स्वर्ण अलंकरण की सभी सदस्यों ने मुक्तकंठ से सराहना की। यात्रा के दौरान प्रदीप कुमार तेरापंथी एवं हर्षित जैन को गोलाकोट में भगवान का अभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सभी तीर्थस्थलों पर श्रद्धालुओं के लिए वातानुकूलित आवास की पूर्व व्यवस्था की गई थी। विशेष रूप से गोलाकोट के आवासीय कक्षों की उत्कृष्ट सुविधाओं की सदस्यों ने प्रशंसा करते हुए उन्हें किसी पंचसितारा होटल से कम नहीं बताया। धार्मिक यात्रा के साथ-साथ मनोरंजन के भी विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। ज्ञानचंद गंगवाल ने भजन एवं गीत प्रस्तुत कर यात्रा को आनंदमय बनाया, जबकि श्रीमती कौशल्या जैन ने अंताक्षरी एवं हाउजी का आयोजन कर सभी सदस्यों का भरपूर मनोरंजन किया। 12 जुलाई की रात्रि लगभग 11 बजे यात्रा हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई और सभी सदस्य सकुशल जयपुर लौट आए। अंत में ग्रुप अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने यात्रा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सन्मति फाउंडेशन के गौरवपूर्ण 10 वर्ष पूर्ण, 'आचार्य सन्मतिसागर अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस-2026' समारोह संपन्न

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, समाजसेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान को मिली सराहना

मुरैना. शाबाश इंडिया

जैनाचार्य विद्याभूषण सन्मति सागर जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से स्थापित सन्मति फाउंडेशन के गौरवपूर्ण 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'आचार्य सन्मतिसागर अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस-2026' का भव्य आयोजन 12 जुलाई, रविवार को गाजियाबाद स्थित विस्टा बैंक्वेट हॉल, पैसिफिक मॉल, साहिबाबाद में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9:30 बजे आमसभा की बैठक से हुआ। फाउंडेशन की महामंत्री श्रीमती लिली जैन ने संस्था द्वारा संचालित सामाजिक, शैक्षिक एवं सेवा गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जबकि कोषाध्यक्ष संजीव जैन ने आय-व्यय एवं वार्षिक लेखा-जोखा (बैलेंस शीट) की जानकारी दी। आरंभ में ऋतिका जैन एवं समूह ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। इसके बाद श्रावक श्रेष्ठियों ने चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया। महिला ट्रस्टियों ने स्वागत गीत के माध्यम से अतिथियों का आत्मीय अभिनंदन किया। संस्था के संस्थापक महेंद्र जैन मधुवन ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मुकेश कुमार जैन (ग्वालियर), अमरचंद जैन (ग्वालियर) तथा अंजलि-जिनेश जैन (अंबाह) का तिलक, माला, शॉल, पगड़ी एवं प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। विशिष्ट अतिथि सुनील जैन (सूरत) एवं प्रो. डॉ. नलिन के. शास्त्री के प्रेरणादायी उद्बोधनों ने उपस्थित जनों को प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्था के पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक ट्रस्टी अनिल जैन तथा गणेशीलाल जैन (महक ग्रुप) को मरणोपरांत उनके अतुलनीय योगदान के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया। अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस-2026 के अंतर्गत कक्षा 10वीं एवं 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के आधार पर सम्मानित किया गया। कक्षा 12वीं में अंतरा जैन (शिवपुरी) ने 98.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। सोना जैन (आगरा) 97.8 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय तथा दृष्टि जैन (आगरा) 97.25 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहीं। कक्षा 10वीं में निरेक निमेय जैन (दिल्ली) ने 97.8 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम, आरब जैन (हिंडौन, राजस्थान) ने 97.2 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय तथा दिव्य जैन (मुरैना) ने 97 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम पुरस्कार विजेताओं को 31,000 रुपए का चेक एवं स्वर्ण पदक, द्वितीय पुरस्कार विजेताओं को 21,000 रुपए का चेक एवं रजत पदक तथा तृतीय पुरस्कार विजेताओं को 11,000 रुपए का चेक एवं कांस्य पदक प्रदान किए गए। पुरस्कार राशि जितेंद्र कुमार जैन परिवार (लक्ष्मी नगर, दिल्ली) एवं राजीव जैन परिवार (जनकपुरी, दिल्ली) की ओर से प्रदान की गई। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध रेडियो एवं टीवी कलाकार बबीता झांझरी ने भक्ति संगीत की मनमोहक प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वहीं स्याद्वाद जैन अकादमी, बड़ा गांव की छात्राओं ने आकर्षक भक्ति नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। समारोह का प्रभावशाली एवं गरिमामय संचालन श्रीमती नीरू जैन (नोएडा) ने किया। अंत में फाउंडेशन के अध्यक्ष राजीव जैन ने सभी अतिथियों, ट्रस्टियों, सहयोगियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

देश में व्याप्त विपदाओं एवं समस्याओं के निवारण की कामना से हुआ श्री पार्श्वनाथ विघ्नहरण विधान

आचार्य विशद सागर जी के सान्निध्य में श्रद्धाभाव से संपन्न हुई मंडल पूजा

जयपुर. शाबाश इंडिया

देश में व्याप्त विपदाओं एवं विभिन्न समस्याओं के निवारण तथा विश्व शांति की कामना से श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, एसएफएस, राजावत फार्म, मानसरोवर में आचार्य 108 श्री विशद सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में रविवार को श्री पार्श्वनाथ विघ्नहरण विधान मंडल पूजा श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुई। प्रातः 6:30 बजे नित्य नियम के अंतर्गत अभिषेक तथा 7:30 बजे संघस्थ ब्रह्मचारी प्रदीप भैया के सान्निध्य में शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात 8:15 बजे आचार्य श्री द्वारा रचित श्री पार्श्वनाथ विघ्नहरण विधान स्वयं उनके निर्देशन में संपन्न कराया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने 160 अर्घ्य समर्पित किए। विधान में सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य सुरेंद्र कुमार पाटनी एवं बबीता पाटनी को प्राप्त हुआ। जिनवाणी स्थापना का पुण्यार्जन सत्यनारायण जी एवं ललिता जी ने किया, जबकि मंडल पर दीप प्रज्वलन सुभाष जी सेठी एवं शकुंतला जी सेठी द्वारा किया गया। पूजन विधान का संचालन स्वाध्याय मंडल के अध्यक्ष कैलाशचंद जैन एवं सुनील बज ने विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ कराया। आयोजन की व्यवस्थाओं में लालचंद जैन, सुरेंद्र पाटनी एवं नरेंद्र शाह का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य आशीष गंगवाल को प्राप्त हुआ। विधान में उपस्थित श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ प्राप्त करते हुए संकल्प लिया कि वे इस दिन निराहार रहकर केवल एक समय भोजन ग्रहण करेंगे। समिति के महामंत्री

सौभागमल जैन ने बताया कि आचार्य श्री के प्रवास के दौरान प्रतिदिन प्रातः नित्य नियम, अभिषेक, शांतिधारा एवं प्रातः 8:15 बजे प्रवचन, दोपहर 3:00 बजे स्वाध्याय तथा सायं 6:30 बजे आरती एवं मंगल यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सोमवार (चतुर्दशी) को मुनि 108 विशाल सागर जी महाराज द्वारा प्रातः केशलोंच किया जाएगा। कार्यक्रम में शाबाश इंडिया के मुख्य संपादक राकेश गोदीका, राजस्थान जैन सभा के उपाध्यक्ष विनोद जैन (कोटखावदा) तथा सिद्धार्थ नगर जैन मंदिर के अध्यक्ष महावीर रावका ने आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष कमलेशचंद जैन, मंत्री कुणाल काला एवं संगठन मंत्री रजनीकांत ने तिलक एवं माला पहनाकर अतिथियों का सम्मान किया।

आचार्य 108 शशांक सागर जी महाराज ससंघ का चातुर्मास साधु सेवा तीर्थ, पदमपुर में होगा

19 जुलाई को शिवदासपुरा से भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। वात्सल्य मूर्ति, कविहृदय, राजकीय अतिथि एवं साधु सेवा तीर्थ के प्रणेता परम पूज्य आचार्य 108 श्री शशांक सागर जी महाराज ससंघ के वर्ष 2026 के चातुर्मास को लेकर रविवार को श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर, संघीजी, सांगानेर में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आचार्य श्री शशांक सागर जी महाराज ससंघ का वर्ष 2026 का चातुर्मास साधु सेवा तीर्थ, पदमपुर में आयोजित होगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि 19 जुलाई 2026 को शिवदासपुरा से सायं 5:30 बजे गाजे-बाजे एवं भव्य शोभायात्रा के साथ आचार्य श्री ससंघ का मंगल प्रवेश साधु सेवा तीर्थ, पदमपुर में कराया जाएगा। इसके अलावा चातुर्मास के दौरान होने वाली कलश स्थापना, स्वागत समारोह तथा अन्य धार्मिक आयोजनों की भव्य तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों एवं कॉलोनियों से बड़ी संख्या में समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें प्रमुख रूप से धीरज कुमार पाटनी, बाबूलाल बिलाला, एडवोकेट सुरेंद्र सोगानी (चित्रकूट कॉलोनी), अरविंद जैन (राजश्री वाले, वैशाली नगर), गगन जैन (सिविल लाइंस), निर्मल पांड्या (झोटवाड़ा), राकेश रावका, प्रमोद छाबड़ा (मुंडोता), सुगन पापड़ीवाल, दीपक जैन पहाड़िया (चित्रकूट), मुकेश जैन (डीसीएम), राहुल जैन (मुहाना मंडी), नरेंद्र जैन शाह, चिरायु जैन (वरुण पथ), विधि जैन, मीनू जैन, अशोक कुमार कासलीवाल, मुकेश सोनी, अनिल कुमार जैन (थड़ी मार्केट), महीप जैन (थड़ी मार्केट), सुरेंद्र पाटनी (नेमी सागर), अक्षत काला, मनीष जैन, नीरज जैन (नेमी सागर), सिद्ध कुमार सेठी, नरेंद्र कुमार जैन, विकास पाटनी (नेमी सागर), नरेंद्र ठोलिया (नेमी सागर) सहित लगभग 60 से 70 महिला एवं पुरुष प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित सभी समाजजनों ने चातुर्मास एवं मंगल प्रवेश समारोह को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

जयपुर गौरव मुनि 108 विशाल सागर जी महाराज का वैराग्यमयी केशलोंच संपन्न

आचार्य विशद सागर जी बोले— केशलोंच दिगंबर साधु जीवन की सबसे कठिन साधनाओं में से एक

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, एसएफएस, मानसरोवर स्थित विशद सागर सभागार में परम पूज्य आचार्य 108 श्री विशद सागर जी महाराज के संघस्थ जयपुर गौरव मुनि 108 विशाल सागर जी महाराज का वैराग्यमयी केशलोंच श्रद्धा एवं धर्म प्रभावना के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अद्भुत तप एवं त्याग के दृश्य का बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण अनुमोदन किया। इस अवसर पर आचार्य श्री विशद सागर जी महाराज ने प्रवचन में कहा कि दिगंबर संत 28 मूलगुणों का पालन करते हैं, जिनमें केशलोंच अत्यंत कठिन साधना मानी जाती है। उन्होंने कहा कि उपवासपूर्वक अपने ही हाथों से केशों को घास-फूस के समान उखाड़कर त्याग देना दिगंबर मुनि परंपरा की अद्वितीय तपस्या है। ऐसा कठोर त्याग और आत्मसंयम अन्यत्र विरल ही देखने को मिलता है। केशलोंच के इस वैराग्यमय अवसर पर एसएफएस, चित्रकूट कॉलोनी, राधा निकुंज तथा विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने मुनिश्री की तपस्या एवं संयममय जीवन की भावपूर्वक अनुमोदना की। समिति के महामंत्री सौभागमल जैन ने बताया कि मुनि 108 विशाल सागर जी महाराज का सोमवार को उपवास रहेगा। उन्होंने बताया कि आचार्य श्री के सान्निध्य में प्रतिदिन प्रातः 6:30 बजे नित्य नियम, अभिषेक एवं शांतिधारा, प्रातः 8:30 बजे मंगल प्रवचन, दोपहर 3:00 बजे स्वाध्याय तथा सायं 6:30 बजे आरती एवं मंगल यात्रा का नियमित आयोजन किया जा रहा है।

गीत-संगीत का धर्म या मजहब से कोई संबंध नहीं, संगीत ईश्वर से जोड़ने का माध्यम बन सकता है : अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज

पुष्पगिरी. शाबाश इंडिया

आचार्य पुष्पदंत सागर जी महाराज के सान्निध्य में अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागर जी महाराज ससंघ इन दिनों सोनकच्छ स्थित पुष्पगिरी में वर्षायोग कर रहे हैं। उनके सान्निध्य में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज ने कहा कि गीत-संगीत का किसी धर्म या मजहब से कोई संबंध नहीं होता, लेकिन संगीत मनुष्य को ईश्वर से जोड़ने का प्रभावी माध्यम अवश्य बन सकता है। उन्होंने कहा कि जब कोई भक्त परमात्मा का स्मरण करते हुए प्रार्थना करता है और स्वर के माध्यम से अपने भाव व्यक्त करता है, तब चाहे वह अल्लाह, ईसा मसीह, भगवान शिव, श्रीराम, भगवान महावीर या हनुमान जी का स्मरण करे, सभी की आराधना में विचार एवं विकार शून्य अनहद नाद का अनुभव होता है। यही ध्यान की प्रथम अवस्था है। आचार्य श्री ने कहा कि

संगीत की स्वर लहरियों में निहित गंभीरता, ध्यानमय नाद, विचार-शून्य आलाप एवं आध्यात्मिक तरंगें भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। हमारे मूल स्वभाव में ही ध्यान, साधना और संगीत का अद्भुत समन्वय विद्यमान है। उन्होंने कहा कि जब कोई साधक किसी राग का अभ्यास गहरी श्वास और एकाग्रचित्त होकर करता है, तब वह केवल सुरों का अभ्यास नहीं करता, बल्कि अपने भीतर की शांति, आत्मचिंतन और विचार-विकारों से मुक्ति की यात्रा भी करता है।

आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी ससंघ के कदम बढ़े चौमूं की ओर

वर्ष 2026 के चातुर्मास के लिए जयपुर से विहार, 19 जुलाई को संभावित मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य विमल सागर जी महाराज के शिष्य आचार्य भरत सागर जी महाराज की सुयोग्य शिष्या, बालयोगिनी, सरल स्वभावी एवं मोक्षमार्ग प्रकाशिका आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी ससंघ वर्ष 2026 के चातुर्मास के लिए जयपुर से विहार कर चौमूं की ओर अग्रसर हैं। जयपुर शहर की विभिन्न कॉलोनियों में धर्म प्रभावना करने के पश्चात आर्यिका माताजी ससंघ का निरंतर विहार जारी है। मार्ग में आने वाले गांवों एवं नगरों में श्रद्धालुओं को धर्मोपदेश देकर जैन धर्म की प्रभावना की जा रही है। उधर चौमूं जैन समाज आर्यिका माताजी ससंघ के मंगल प्रवेश एवं चातुर्मास को लेकर व्यापक तैयारियों में जुटा हुआ है। समाज के पदाधिकारी एवं श्रद्धालु भव्य अगवानी की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। गुरुमां के संघस्थ बाल ब्रह्मचारिणी डॉ. करुणा दीदी एवं दीपा दीदी ने बताया कि वर्ष 2026 का चातुर्मास चौमूं जैन समाज को प्राप्त हुआ है। आर्यिका माताजी ससंघ का विहार निरंतर जारी है तथा 19 जुलाई को चौमूं में मंगल प्रवेश प्रस्तावित है। यह जानकारी आयुष पाटनी, भैंसलाना ने दी।

बॉब रिटायर्ड जैन मैत्री संघ का त्रैमासिक स्नेह मिलन संपन्न

नेवटा अतिशय क्षेत्र में णमोकार दीप अर्चना एवं सम्मान समारोह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र, नेवटा में 12 जुलाई को बॉब रिटायर्ड जैन मैत्री संघ का त्रैमासिक स्नेह मिलन कार्यक्रम श्रद्धा एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान पद्मप्रभु के समक्ष आर्यिका 105 श्री विज्ञा श्री माताजी द्वारा रचित णमोकार दीप अर्चना से हुआ। 35 दीपकों से संपन्न इस विशेष धार्मिक आयोजन में संघ के सदस्यों ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम मंजू जैन सेवावाले के सान्निध्य में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम संघ के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित किया। इसके बाद उपस्थित सदस्यों एवं सह-सदस्यों ने णमोकार महामंत्र के 35 बीजाक्षरों के मंत्रोच्चार के साथ क्रमशः दीप अर्पित किए। अंत में आरती के साथ महाअर्चना का समापन हुआ। कार्यक्रम का मंगलाचरण शशि जैन, मंजू जैन एवं ज्योति जैन ने किया। संघ के संस्थापक अध्यक्ष पी. सी. जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, जबकि सचिव अभिनंदन जैन ने संस्था की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर संघ के सदस्य प्रकाशचंद जैन (बगरू) के वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण होने पर उनका सम्मान किया गया। वहीं हेमंत सोगानी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर भी अभिनंदन किया गया। पंचकल्याणक महोत्सव में भगवान

के माता-पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त करने वाले पदम कुमार एवं चंद्रकांता जैन (पी.के.-सी.के.) का सम्मान किया गया। इसके अलावा अष्टाह्निका विधान में इंद्र बनने का सौभाग्य प्राप्त करने वाले प्रदीपकांत-सरिता जैन तथा सुनील-कुसुम जैन को भी सम्मानित किया गया। संघ के सदस्य महेंद्र जैन ने आगामी धार्मिक यात्राओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान मंजू जैन सेवावाले ने सदस्यों एवं सह-सदस्यों के मनोरंजन के लिए हाउजी का आयोजन भी कराया, जिसमें विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में संघ के अध्यक्ष आर. के. जैन ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए उपस्थितजनों को सहभोज के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम का संचालन संघ के कोषाध्यक्ष मुनेन्द्र गंगवाल ने किया। अंत में सभी ने स्नेहपूर्वक लजीज भोजन का आनंद लिया। यह जानकारी महावीर जैन, जयपुर ने दी।

रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर संस्कारधानी का 26वां पदस्थापना समारोह संपन्न

रोटरी वर्ष 2026-27 थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की सेवा को समर्पित रहेगा

जबलपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर संस्कारधानी का 26वां पदस्थापना समारोह विगत रात्रि होटल कृष्णा में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में रोटे मनीष बजाज ने अध्यक्ष, रोटे सचिन जैन ने सचिव तथा रोटे सुनील जसवानी ने कोषाध्यक्ष के रूप में रोटरी वर्ष 2026-27 के लिए विधिवत पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान अध्यक्ष रोटे अरुण गुप्ता, सचिव अभिषेक अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष रोटे अनिल अग्रवाल ने नवगठित कार्यकारिणी को पदभार सौंपा। कार्यक्रम की जानकारी रोटे नितिन जैन, चेयरमैन (रोटरी पब्लिक इमेज) ने दी। समारोह के मुख्य अतिथि आगामी प्रांतपाल भानु प्रताप चौधरी रहे। विशिष्ट अतिथियों में राजपाल बजाज, पूर्व प्रांतपाल डॉ. निखलेश त्रिवेदी, सुनील फाटक, असिस्टेंट गवर्नर रोटे शिखा पोराणिक, सिटी को-ऑर्डिनेटर रोटे अमित जैन, विभिन्न असिस्टेंट गवर्नर्स, अनेक रोटरी क्लबों के अध्यक्ष, सचिव एवं जबलपुर के वरिष्ठ रोटेरियन्स उपस्थित रहे। अपने संबोधन में अतिथियों ने रोटरी के आदर्श वाक्य को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान करते हुए कहा कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के लिए सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, जल संरक्षण, रक्तदान एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा परियोजनाओं के माध्यम से क्लब को नई ऊंचाइयों तक

पहुंचाएगी। नवनियुक्त अध्यक्ष रोटे मनीष बजाज ने कहा कि रोटरी वर्ष 2026-27 को थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की सेवा के लिए समर्पित किया जाएगा। उन्होंने क्लब के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि टीम ओजस्वी के सहयोग से सेवा, नेतृत्व एवं मित्रता की भावना के साथ समाजहित के विभिन्न प्रकल्पों का प्रभावी संचालन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन रोटे तल्लीन सिंह बावा एवं ऐंस पूजा जसवानी ने किया।

राष्ट्रसंत भारत गौरव आचार्य 108 विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ का भक्तिमय मंगल विहार प्रारंभ

अजमेर से धर्मनगरी किशनगढ़ के चातुर्मास हेतु हुए रवाना, बड़ी संख्या में श्रद्धालु रहे साथ

अजमेर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रसंत भारत गौरव आचार्य 108 विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ का वर्ष 2026 के चातुर्मास हेतु अजमेर से धर्मनगरी किशनगढ़ के लिए भक्तिमय वातावरण में मंगल विहार प्रारंभ हुआ। प्रातः छोटे धड़े की नसियां में अतिशयकारी भगवान आदिनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न होने के पश्चात आचार्य श्री ससंघ ने किशनगढ़ के लिए मंगल विहार किया। आज का विहार छोटे धड़े की नसियां से प्रारंभ होकर आगरा गेट एवं केंद्रीय बस स्टैंड मार्ग से होते हुए निशान शोरूम पहुंचा, जहां आचार्य श्री ससंघ की आहारचर्या संपन्न हुई। इस अवसर पर निशान शोरूम के संचालक प्रदीप गर्ग को गुरुदेव के पादप्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गुरुदेव ने उन्हें मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। इसके बाद विहार कोठारी फार्म हाउस पहुंचा, जहां ससंघ का रात्रि विश्राम हुआ। मंगल विहार के दौरान अजमेर के सुप्रसिद्ध भजन गायक संदीप बोहरा ने अपने मधुर भजनों से पूरे वातावरण को भक्तिमय बनाए रखा और ससंघ के साथ विहार में शामिल रहे। श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन पंचायत, किशनगढ़ के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश बैद, मंत्री प्रदीप गंगवाल, उपमंत्री नरेश गंगवाल, कोषाध्यक्ष अशोक पापल्या सहित जितेंद्र पाटनी, मुकेश काला, सुरेश काला, राजेंद्र सोगानी, विकास पाटनी, गौरव पाटनी, राजेश पांड्या, राजेश पहाड़िया, रवि काला, गजेंद्र गोधा, अरविंद बैद, सचिन अजमेरा, घीसालाल बड़जात्या, देवेंद्र गंगवाल, मनीष सेठी, अमित बैद, राजू कासलीवाल, राकेश पाटोदी, संदीप रांवका, सुनील लुहाड़िया, चंद्रप्रकाश अजमेरा, अरविंद सेठी, हरीश जैन एवं मुकुल काला सहित 100 से अधिक श्रद्धालु पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मंगल विहार में सहभागी बने। किशनगढ़ की 50 से अधिक महिलाओं ने आचार्य श्री ससंघ का पड़गाहन कर आहारचर्या का पुण्यार्जन किया।

आगामी कार्यक्रम

14 जुलाई 2026 (मंगलवार): प्रातः कोठारी फार्म हाउस से मंगल विहार प्रारंभ होगा। प्रेसीडेंसी स्कूल में आहारचर्या संपन्न होगी तथा सायंकाल आर. के. गर्ल्स कॉलेज में रात्रि विश्राम रहेगा।

15 जुलाई 2026 (बुधवार): प्रातः 7:30 बजे डाक बंगला से भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा प्रारंभ होगी, जो मुख्य चौराहे से होते हुए जैन भवन पहुंचेगी। इसके उपरांत धर्मसभा का आयोजन किया जाएगा।

जीवदया के तहत 200 अशक्त गोवंश को हराचारा व गुड़ अर्पित

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग की प्रेरक पहल

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग, अजमेर की सरावगी मोहल्ला इकाई के तत्वावधान में नागफनी स्थित आनंद गोपाल गौशाला में 200 अशक्त गोवंश को हराचारा एवं गुड़ अर्पित कर जीवदया का प्रेरणादायी सेवा कार्य किया गया। महासमिति की मंत्री सुषमा पाटनी एवं रिंकू कासलीवाल ने बताया कि राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के आतिथ्य तथा सरावगी मोहल्ला इकाई की अध्यक्ष किरण गोधा के सहयोग से उनकी पुत्री आकृति के जन्मदिवस के अवसर पर यह सेवा आयोजन संपन्न हुआ। इस दौरान गोवंश को हराचारा एवं गुड़ अर्पित कर जीवदया और पशु संरक्षण का संदेश दिया गया। राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने कहा कि जीवों की रक्षा एवं सेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है। उन्होंने कहा कि मूक प्राणियों के संरक्षण एवं कल्याण के लिए किया गया सेवा कार्य ईश्वर की सच्ची आराधना है। उन्होंने इस प्रेरणादायी पहल की सराहना करते हुए सभी सहयोगियों का उत्साहवर्धन किया। सरावगी मोहल्ला इकाई की मंत्री राखी जैन ने बताया कि हीरामणि जैन, रेनू पाटनी, मंजुला जैन, खुशी जैन, आकांक्षा जैन, प्रतीक जैन, गरिमा रावका सहित 40 से अधिक महिला सदस्यों ने अपने हाथों से गोवंश को हराचारा अर्पित कर जीवदया का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम से पूर्व महासमिति की ओर से विशिष्ट सदस्य मंजुला जैन को ज्योतिष विद्या के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए प्राप्त दादा साहेब फाल्के सम्मान के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया।

समाजसेवी बबलू सिंधी के जन्मदिन पर साथियों ने किया रक्तदान

मानव सेवा का संदेश देते हुए जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक में आयोजित हुआ शिविर

भिण्ड. शाबाश इंडिया

समाजसेवी बबलू सिंधी के जन्मदिन के अवसर पर मानवता परिवार एवं संजीवनी रक्तदान संगठन के संयुक्त तत्वावधान में जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक, भिण्ड में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जन्मदिन को सेवा और मानवता के उत्सव के रूप में मनाते हुए साथियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायिनी पहल की। शिविर में कु. स्मिता पवार, कु. दीक्षा भदौरिया, विपिन जोशी (पुलिस), आशीष शर्मा, अभिषेक, धीरज जैन (धीरू), गौरव दीक्षित एवं बबलू सिंधी ने स्वैच्छिक रक्तदान कर समाज को प्रेरक संदेश दिया कि जन्मदिन जैसे विशेष अवसरों को सेवा कार्यों से जोड़कर मानवता की सच्ची मिसाल प्रस्तुत की जा सकती है। इस अवसर पर बबलू सिंधी ने कहा कि ''रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त कई लोगों का जीवन बचा सकता है।'' उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मानवता परिवार एवं संजीवनी रक्तदान संगठन के पदाधिकारियों ने सभी रक्तदाताओं का पुष्पमाला एवं प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मान किया तथा उनके सेवा भाव की सराहना की। अंत में बबलू सिंधी ने मानवता परिवार, संजीवनी रक्तदान संगठन, सभी रक्तदाताओं तथा जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने वाले सभी शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग, स्नेह और विश्वास से ही समाजसेवा का यह अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है।

मुनि 108 विश्व विजय सागर जी महाराज का चातुर्मास पारस विहार, मुहाना मंडी में होगा

टोंक पहुंचकर श्रद्धालुओं ने अर्पित किया श्रीफल, 22 जुलाई को प्रस्तावित है मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

पारस विहार, मुहाना मंडी स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मुनि 108 विश्व विजय सागर जी महाराज का वर्ष 2026 का चातुर्मास संपन्न होगा। आचार्य 108 कुशाग्रनंदी जी महाराज के आशीर्वाद तथा पारस विहार, मुहाना मंडी एवं आसपास की कॉलोनियों के साधर्मी बंधुओं के पुण्योदय से चातुर्मास का यह सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आचार्य विराग सागर जी महाराज एवं पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावी शिष्य मुनि विश्व विजय सागर जी महाराज गिरनार सिद्धक्षेत्र से मंगल विहार करते हुए 12 जुलाई को प्रातः टोंक पहुंचे। चातुर्मास की स्वीकृति स्वरूप श्रीफल अर्पित करने के लिए पारस विहार मंदिर समिति एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु 12 जुलाई को प्रातः 7:30 बजे जयपुर से टोंक पहुंचे। सभी साधर्मी बंधुओं ने वर्ष 2026 के चातुर्मास हेतु मुनिश्री को श्रद्धापूर्वक श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर समिति के अनुसार मुनिश्री का 22 जुलाई को चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार, मुहाना मंडी में वर्षायोग हेतु भव्य मंगल प्रवेश प्रस्तावित है। आगामी कार्यक्रम के तहत 14 जुलाई को प्रातः 5:00 बजे गुंसी से विहार कर मुनिश्री चाकसू पहुंचेंगे, जहां आहारचर्या संपन्न होगी। इसके पश्चात सायं 5:00 बजे चाकसू से विहार करते हुए पद्मप्रभु दिगंबर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र, पदमपुरा पहुंचेंगे। मुनिश्री का चार दिवसीय प्रवास पदमपुरा में रहेगा। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गोदिका ने बताया कि सोमवार को प्रातः आयोजित अभिषेक एवं शांतिधारा का पुण्यार्जन राकेश-समता गोदीका (शाबाश इंडिया), अशोक सेठी (श्रीजी नगर, दुगार्पुरा) तथा पवन कुमार-सरोज गोदिका परिवार को प्राप्त हुआ।

महावीर इंटरनेशनल के सेवा पखवाड़े में वृक्षारोपण, पौधों के संरक्षण का लिया संकल्प

''वृक्ष धरती का श्रृंगार, एक वृक्ष मां के नाम'' अभियान के तहत हुआ आयोजन

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स के 52वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा पखवाड़े के अंतर्गत सोमवार को महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी परिवार द्वारा शाकंभरी माता मंदिर मार्ग एवं अंबेडकर छात्रावास परिसर के बाहर वृक्षारोपण एवं पौधों के संरक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। ''वृक्ष धरती का श्रृंगार-एक वृक्ष मां के नाम'' तथा ''आओ अपना फर्ज निभाएं, प्रकृति का कुछ कर्ज चुकाएं'' संदेश के साथ आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था द्वारा पूर्व में विकसित महावीर वाटिका एवं अंबेडकर वाटिका में वीर कमलकुमार गोड ने अपनी पोती साक्षी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में पौधारोपण किया। साथ ही पूर्व में लगाए गए पौधों की सार-संभाल करते हुए उन्हें पानी पिलाया गया तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर वीर रामावतार गोयल, वीर अजित पहाड़िया, वीर सुभाष गंगवाल, वीर सुरेंद्र सिंह दीपपुरा, वीर विजय, दक्ष पहाड़िया, शंभूदयाल जी, कमलकिशोर जी एवं संजय अग्रवाल ने पौधों की देखभाल एवं वृक्षारोपण में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में बरगद फाउंडेशन के राजेश कुमावत, रामजी काबरा, महिपाल गावड़िया, अंबेडकर छात्रावास के अधीक्षक, नेताराम, नानूराम कुमावत, प्रवीण एवं आर्यन ने भी पौधारोपण में सहयोग करते हुए पौधों के संरक्षण का दायित्व निभाने का संकल्प लिया। महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी परिवार ने इस अवसर पर नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके नियमित संरक्षण एवं संवर्धन का आह्वान करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह जानकारी वीर सुभाष पहाड़िया ने दी।

बंगीय हिंदी परिषद में कविकल्प एवं पुस्तक विमोचन समारोह संपन्न

युवा कवयित्री निधि सिंह की प्रथम कृति 'कैद एहसास' का हुआ लोकार्पण

कोलकाता. शाबाश इंडिया। महानगर की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था बंगीय हिंदी परिषद के तत्वावधान में कविकल्प एवं पुस्तक विमोचन समारोह दो सत्रों में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में साहित्यकारों, कवियों एवं साहित्यप्रेमियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। प्रथम सत्र में युवा कवयित्री निधि सिंह की प्रथम काव्य कृति 'कैद एहसास' का लोकार्पण किया गया। समारोह की अध्यक्षता दयाशंकर मिश्र ने की। मुख्य अतिथि के रूप में चंद्रिका प्रसाद पाण्डेय 'अनुरागी' एवं अजय पोद्दार उपस्थित रहे। प्रधान वक्ता उर्वशी श्रीवास्तव ने कृति की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह संग्रह युवा संवेदनाओं, भावनाओं एवं अनुभवों की सशक्त अभिव्यक्ति है। अध्यक्ष एवं अतिथियों ने भी युवा रचनाकार की साहित्यिक यात्रा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता ब्रजेश त्रिपाठी ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कविकल्प की साहित्यिक परंपरा एवं उसके उद्देश्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन साहित्यिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। उन्होंने परिषद के प्रति सभी कवियों की ओर से आभार व्यक्त किया। इस सत्र में अतिथि के रूप में राम पुकार गाजीपुरी, कृष्ण कुमार दूबे एवं रामनारायण झा उपस्थित रहे। काव्य गोष्ठी में स्वीटी कुमारी महतो, वर्षा सिंह, रोशनी शर्मा, बिमल शर्मा, ओम प्रकाश चौबे, अय्यूब वारसी 'कोलकतवी', अतुल श्रीवास्तव, रंजीत सिंह, विश्वजीत शर्मा 'सागर', विजय शर्मा, सजल मजूमदार, शिवम तिवारी, रवि पारस, नीतू शर्मा, जातिब हयाल, जलंधर सिंह, मुज्तर इफ्तेखार, मुश्ताक जैश, यूसुफ अख्तर, मिली दास, सुरेंद्र सिंह एवं बीना रजक सहित अनेक कवियों ने अपनी रचनाओं का प्रभावशाली पाठ कर श्रोताओं की सराहना प्राप्त की।

परमात्मा के दर्शन में नहीं, अहंकार के विसर्जन में है साधना की सार्थकता : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

धर्मस्थल आत्मप्रदर्शन नहीं, आत्मपरिष्कार के केंद्र हैं, श्रद्धा और विनय ही सच्ची साधना का आधार

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

परमात्मा के समक्ष मनुष्य की पहचान उसके पद, प्रतिष्ठा या प्रसिद्धि से नहीं, बल्कि उसकी जिज्ञासा, विनय और अंतःकरण की निर्मलता से होती है। परमात्मा बाहरी परिचय नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर उठ रहे प्रश्नों और सत्य की खोज को जानते हैं। यह विचार श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने सुभाष नगर जैन स्थानक में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किए। युवाचार्यश्री ने भगवान महावीर और इन्द्रभूति गौतम का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि भगवान ने गौतम को नाम लेकर संबोधित किया तथा उनके अंतर्मन में वर्षों से उठ रहे आत्मा के अस्तित्व संबंधी संशय का समाधान किया। इससे स्पष्ट होता है कि सर्वज्ञ परमात्मा मनुष्य के बाहरी परिचय से नहीं, बल्कि उसके अंतर्मन की जिज्ञासा, भावों और सत्य की प्यास को पहचानते हैं। उन्होंने कहा कि अनेक बार व्यक्ति धर्मस्थल पर भी अपनी पहचान, सम्मान और प्रतिष्ठा का आग्रह लेकर पहुंचता है। उन्होंने प्रश्न किया, ''लोग दर्शन लेने आते हैं या दर्शन देने?'' उन्होंने कहा कि परमात्मा, साधु-साध्वियों के दर्शन एवं जिनवाणी के श्रवण के लिए जाते समय वेशभूषा, व्यवहार और मर्यादा में श्रद्धा, सादगी तथा विनय का भाव होना चाहिए। धर्मस्थल आत्मप्रदर्शन के नहीं, बल्कि आत्मपरिष्कार के केंद्र हैं। स्वयं को प्रदर्शित करने की अपेक्षा प्रभु, गुरु और जिनवाणी के प्रति समर्पण ही दर्शन और प्रवचन-श्रवण की वास्तविक सार्थकता है। युवाचार्यश्री ने कहा कि भगवान महावीर की देशना प्रत्येक जीव की स्वतंत्र सत्ता को स्वीकार करती है। समवसरण की मर्यादाओं में वर्णित 'सचित त्याग' का सिद्धांत इसी जीवन-दृष्टि का प्रतीक है। प्रत्येक जीव अपने अस्तित्व में स्वतंत्र है, इसलिए किसी के प्रति श्रेष्ठता या हीनता का भाव नहीं, बल्कि सम्मान, करुणा और समभाव होना चाहिए। यही संस्कार मनुष्य को व्यापक मानवीय चेतना और सह-अस्तित्व की भावना से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि समवसरण की मर्यादाओं में 'अचित विवेक' का विशेष महत्व है। ''मान और सामान छोड़कर आत्मस्वाद चखना'' इसी मर्यादा का सार है। आध्यात्मिक साधना मनुष्य को यह विवेक प्रदान करती है कि कौन-सी वस्तुएं साधना के अनुकूल हैं और कौन-सी अहंकार, प्रदर्शन तथा आसक्ति को बढ़ाती हैं। जापान की जेन साधना पद्धति का उदाहरण देते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि एक महामात्य अपने पद का परिचय देकर संत के दर्शन के लिए पहुंचा, किंतु उसे प्रवेश नहीं मिला। जब वह केवल अपने नाम के साथ पहुंचा, तब संत ने उसे तत्काल बुला लिया। इससे स्पष्ट होता है कि गुरु और परमात्मा के समक्ष व्यक्ति का पद, प्रतिष्ठा और वैभव नहीं, बल्कि उसकी विनम्रता का महत्व होता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक पथ पर आगे बढ़ने के लिए तन और मन दोनों को अनावश्यक बोझ से मुक्त करना आवश्यक है। संग्रह, प्रदर्शन, उपाधियों का मोह और अहंकार मनुष्य को भीतर से बोझिल बना देते हैं। जितना मनुष्य इन बंधनों से मुक्त होता है, उतना ही उसका जीवन सरल, संयमित और साधनामय बनता है। अचित विवेक का वास्तविक उद्देश्य भी यही है कि व्यक्ति अहंकार का त्याग कर विनय, सादगी और आत्मानुशासन के साथ जीवन जी सके। धर्मसभा में सुभाष नगर श्रीसंघ सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों एवं कॉलोनियों से बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहीं। शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद चीपड़ एवं चातुर्मास संयोजक कंवरलाल सूरिया ने बताया कि 19 जुलाई को वर्धमान कॉलोनी स्थित अम्बेश स्वाध्याय भवन से शांतिभवन तक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ ही श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ठाणा-4, महासती मधुकंवरजी ठाणा-2, उपप्रवर्तिनी दिव्यज्योति ठाणा-6, महासाध्वी सुचेताजी ठाणा-3 एवं साध्वी पियूषदर्शनाजी ठाणा-2 का चातुर्मास मंगल प्रवेश होगा। इस अवसर पर देशभर से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि युवाचार्यश्री के प्रवचन मंगलवार एवं बुधवार को अरिहंत भवन, सुभाष नगर तथा गुरुवार को अम्बेश स्वाध्याय भवन, वर्धमान कॉलोनी में आयोजित धर्मसभाओं में होंगे।

श्री पार्श्वनाथ जैन हॉस्पिटल में अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, गायनिक वार्ड एवं लेबर रूम का लोकार्पण

आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से मरीजों को मिलेगा महानगरों जैसी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

ब्यावर. शाबाश इंडिया

उदयपुर रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ जैन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में रविवार को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, गायनिक वार्ड एवं लेबर रूम के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण का शुभारंभ नवकार महामंत्र जाप एवं मंगलाचरण के साथ श्रद्धापूर्वक किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि महाश्रती उमराव कंवर जी म.सा. की पावन प्रेरणा तथा भामाशाहों के सहयोग से अस्पताल का चरणबद्ध आधुनिकीकरण निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में नवीनतम तकनीक से सुसज्जित मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, आधुनिक लेबर रूम एवं अत्याधुनिक गायनिक वार्ड का निर्माण एवं नवीनीकरण किया गया है, जिससे क्षेत्रवासियों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। शुभारंभ अवसर पर नवीन ऑपरेशन थिएटर में विधिवत पूजन-अर्चन कर स्वास्तिक अंकित किया गया तथा मंगल कलश स्थापना के साथ नई चिकित्सा सेवाओं का शुभारंभ किया गया। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं एवं ट्रस्ट पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से नवकार महामंत्र का जाप कर अस्पताल की निरंतर प्रगति एवं जनकल्याण की मंगलकामना की। कार्यक्रम में श्री पार्श्वनाथ जैन मेडिकल रिलीफ ट्रस्ट के कार्याध्यक्ष तुलसी बोहरा, मंत्री कमलेश मोदी, एम. गौतमचंद बोहरा, ज्ञानचंद बिनायकीय, पद्मचंद बिनायकीय, महेंद्र चौपड़ा एवं मनीष कांकरिया सहित अनेक ट्रस्टी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। अस्पताल प्रबंधन की ओर से डॉ. सुरेन्द्र गोदारा, डॉ. एस.पी. सिंह, डॉ. एस.आर. गहलोत, डॉ. राजेश गौड़, गायनिक सर्जन डॉ. अंजुला सिंह खूंगावत, डॉ. पूर्वी कर्णी एवं डॉ. किरण शामलानी सहित चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। अस्पताल प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया कि इन अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के शुरू होने से ब्यावर एवं आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को महानगरों जैसी उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगी।

डॉ. गौरव जैन सहित विभिन्न क्षेत्रों की 21 विभूतियां 'गुरुकुल सम्मान' से सम्मानित

गुरुकुल योग संस्थान के समारोह में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुरुकुल योग संस्थान की ओर से जय क्लब में आयोजित सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 21 विभूतियों को 'गुरुकुल सम्मान' से सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश आनंद शर्मा एवं कार्यक्रम अध्यक्ष जगदीश चन्द्र (चेयरमैन, फर्स्ट इंडिया न्यूज) द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। संस्थान के सचिव महेंद्र सिंह एवं मुख्य संरक्षक राजू मंगोड़ीवाला ने बताया कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित करने के उद्देश्य से इस समारोह का आयोजन किया गया। सम्मानित होने वालों में डॉ. गौरव जैन (संगीत), अनूप बरतरिया (आर्किटेक्ट), आईएएस श्रुति भारद्वाज, आईआरएस शशि किरण, जुगल डेरेवाला (ज्वेलर), राजीव अरोड़ा, डॉ. वी.के. कौशिक, आचार्य अनुपम जॉली, भावना जगवानी, शरद काबरा, डॉ. ईश्वर, मुकेश मिश्रा, डॉ. अनुराग शर्मा, डॉ. बी.एस. रावत, राजेश तांबी, तरंग अरोड़ा, डॉ. संजीव शर्मा, अशोक चौहान, आरजे देवांगना, डॉ. तपेश माथुर एवं हीरानंद कटारिया शामिल रहे। इस अवसर पर डॉ. गौरव जैन ने प्रेरणादायी गीत 'तुझको चलना होगा' प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों ने खूब सराहा। समारोह में संस्थान के संरक्षक सी.एच. शाह, रामदास शोखियां, एडवोकेट अखिल शुक्ला सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में संस्थान के अध्यक्ष रामशरण गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जहां निस्वार्थ सेवा होती है, वहीं सच्ची भक्ति और मानवता का वास होता है : लायन निशांत जैन

लायंस क्लब अजमेर आस्था का 26वां पदस्थापना समारोह संपन्न, सेवा परियोजनाओं का हुआ शुभारंभ

अजमेर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233-ए2 के प्रांतपाल एवं भीलवाड़ा निवासी एमजेएफ लायन निशांत जैन के मुख्य आतिथ्य में पीड़ित मानव सेवा एवं जीवदया के कार्यों में अग्रणी संस्था लायंस क्लब अजमेर आस्था का 26वां पदस्थापना समारोह गरिमामय एवं हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में प्रांतपाल लायन निशांत जैन ने क्लब में शामिल हुए 10 नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा, ''जहां निस्वार्थ सेवा होती है, वहीं सच्ची भक्ति और मानवता का वास होता है।'' उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को क्लब से जोड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि जितने अधिक सेवा के हाथ जुड़ेंगे, समाज उतना ही अधिक लाभान्वित होगा। कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी ने बताया कि नागदा (मध्यप्रदेश) से पधारे डिस्ट्रिक्ट 3233-G2 के प्रथम उप-प्रांतपाल पीएमजेएफ लायन पंकज मारू ने लायनेस्टिक वर्ष 2026-27 के लिए क्लब अध्यक्ष लायन कमल बाफना एवं उनकी नवगठित कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने पदाधिकारियों को उनके दायित्वों का बोध कराते हुए सामाजिक संस्थाओं को राजकीय योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों की अधिक प्रभावी सेवा करने का संदेश दिया। समारोह का शुभारंभ निवर्तमान अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट द्वारा सभा प्रारंभ करने की घोषणा से हुआ। पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी ने ध्वज वंदना प्रस्तुत की। इसके पश्चात राष्ट्रगान एवं विश्व शांति के लिए मौन प्रार्थना रखी गई। सचिव लायन संजय जैन ने वर्ष 2025-26 के सेवा कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। पदभार ग्रहण करने के बाद अध्यक्ष लायन कमल बाफना ने आगामी वर्ष की सेवा योजनाओं की जानकारी दी। समारोह के दौरान सेवा कार्यों की प्रेरणादायी श्रृंखला भी आयोजित की गई। लायन अतुल पाटनी एवं लायन मधु पाटनी के सहयोग से अशक्त गोवंश को हराचारा अर्पित किया गया तथा डियर पार्क में हिरणों एवं बंदरों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन अनिल कुमार छाजेड़ के सहयोग से राष्ट्रीय संत एवं गौरक्षक श्री कृष्णानंद जी गुरुदेव के आशीर्वाद से संचालित लाड़ली घर की 45 दृष्टिबाधित बालिकाओं को सात्विक एवं मिष्ठानयुक्त भोजन कराया गया। साथ ही पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन पदमचंद जैन के सहयोग से दो दृष्टिबाधित बालिकाओं की वार्षिक शिक्षा शुल्क राशि 18,000 रुपए प्रदान की गई। इसी अवसर पर समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, लायन अतुल पाटनी एवं लायन मधु पाटनी के सहयोग से राजकीय विद्यालय, राजा कोठी की प्रतिभावान छात्रा वंशिका को विद्यालय आने-जाने के लिए साइकिल भेंट की गई। इसके अतिरिक्त तीर्थराज पुष्कर स्थित ज्योतिर्गमय सेवा संस्थान के 65 विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को गणवेश वितरित किए गए। रूपनगढ़ औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत 30 श्रमिकों एवं उनके परिवारों को नए वस्त्र प्रदान किए गए। वहीं पूर्व प्रांतीय सचिव लायन रमाकांत बाल्दी के सहयोग से एक प्रतिभावान छात्रा की शैक्षणिक शुल्क राशि भी प्रदान की गई। समारोह के अंत में कोषाध्यक्ष लायन विनय लोढ़ा ने सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन पदमचंद जैन एवं लायन अतुल पाटनी ने किया। इस अवसर पर पूर्व प्रांतपाल लायन ओ. एल. दवे, लायन सुधीर सोगानी, विभिन्न लायंस क्लबों के पदाधिकारी, माइक्रो कैबिनेट के सदस्य, लायंस क्लब अजमेर आस्था के सदस्य तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जेएसजी अर्हम ने जीता नॉदर्न रीजन अंताक्षरी-2026 प्रतियोगिता का खिताब, जेएसजी केपिटल रही रनर अप

24 टीमों के प्रतिभागियों ने दिखाया अपना दमखम

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप्स इंटरनेशनल फैडरेशन के नॉर्दन रीजन के तत्वावधान में व जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल की मेजबानी में सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल सभागार में आयोजित नॉदर्न रीजन अंताक्षरी-2026 प्रतियोगिता का खिताब जेएसजी अर्हम ने व रनर अप जेएसजी केपिटल की टीम रही। इस प्रतियोगिता में नारदन रीजन की 24 टीमों के प्रतिभागियों ने भाग लिया और विभिन्न राउंडों में अपनी प्रतिभा के जौहर दिखाए। प्रतियागिता के प्रारंभ में दीप प्रज्वलन राजस्थान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व चेयरमैन डॉ. प्रकाश चंद जैन व उद्घाटन भगवान आदिनाथ जैन कल्याण समिति मंगल विहार के अध्यक्ष अमित-रितु गोधा व अध्यक्षता कर रहे जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल फैडरेशन मुंबई के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन के. शाह, फैडरेशन के प्रेसीडेंट इलेक्ट मनीष कोठारी के साथ ही विशिष्ट अतिथि सोगानी ज्वेलर्स के प्रियम सोगानी, जेएसजीआईएफ के पूर्व प्रेसीडेंट राकेश जैन, अजीत लालवानी, कमल सचेती एवं ललित शाह आदि सम्माननीय अतिथियों ने किया। इस मौके पर मुख्य समन्वयक व जेएसजी कैपिटल के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष चंद जैन, अध्यक्ष राजकुमार काला एवं सचिव प्रमोद जैन समन्वयक पूर्व अध्यक्ष सुधीर गंगवाल, नरेश रावकां, नवीन जैन, अनिल रावका नॉर्दन रीजन चेयरमैन राजीव पाटनी एवं सचिव रविन्द्र बिलाला सहित अन्य पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद शुरू हुई 24 टीमों के मध्य 4 ग्रुपों मे अंताक्षरी प्रतियागिता,जिसमें प्रत्येक टीमों के प्रतिभागियों ने विभिन्न राउंड में सुरों की महफिल सजाते हुए चल चल मेरे साथी,ओ मेरे साथी..., जिंदगी की यही रीत है, प्यार के बाद ही जीत है.... मेरे पास आओ, मेरे दोस्तों ..जैसे गीतों से सारे जहां में विश्व बंधुत्व का संदेश दिया, साथ ही 1950 से लेकर अभी तक के दौर के सभी गायक कलाकारों जैसे मोहम्मद रफी, किशोर दा, महेंद्र कपूर, मुकेश, लता मंगेशकर, आशा भोसले, सोनू निगम, सुरेश वाडकर, उदित नारायण, कुमार सानू, अलका याग्निक, कविता कृष्णमूर्ति आदि के गाए गीतों की लड़ियां पिरोते हुए माहौल को संगीतमय बना दिया। इस दौरान प्रत्येक राउंड में प्रतिभागियों ने अपना दमखम प्रतिभा के जौहर दिखाए और गानों की धुनों पर खुद तो नाचे ही साथ ही उपस्थित दर्शकों को खूब झुमाया। दिनभर चले विभिन्न राउंडों में टीमों ने हैरतअंगेज प्रदर्शन किया और जेएसजी अर्हम ने नॉदर्न रीजन अंताक्षरी-2026 प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया जबकि रनर अप जेएसजी केपिटल की टीम रही। मुख्य समन्वयक सुभाष चन्द जैन व पूर्व अध्यक्ष सुधीर गंगवाल ने बताया कि इस दौरान टीमों के अलावा दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों ने भी सही जबाव देकर आकर्षक पुरस्कार जीते। इस दौरान भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, आदर्श नगर से भाजपा प्रत्याशी रवि नैयर व भाजपा के पूर्व शहर अध्यक्ष संजय जैन, महेंद्र गिरधरवाल,सीएस जैन, डॉ. राजीव जैन सहित अन्य लोगों ने शिरकत की।

संतों का सानिध्य, सात्विक ज्ञान और ध्यान ही मोक्ष का प्रमुख मार्ग है : आचार्य सुंदर सागर जी महाराज

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे के पार्श्वनाथ चैत्यालय में विराजमान आचार्य 108 सुंदर सागर जी महाराज चतुर्विध संघ के सानिध्य में इन दिनों धर्म प्रभावना का क्रम जारी है। प्रतिदिन आयोजित हो रहे धार्मिक कार्यक्रमों एवं प्रवचनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। राजस्थान जैन महासभा, फागी शाखा के महामंत्री राजाबाबू गोधा ने बताया कि प्रातःकाल

भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं अष्टद्रव्यों से पूजन-अर्चन के बाद श्रद्धालुओं ने अर्घ्य समर्पित कर सुख-समृद्धि की मंगलकामना की। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य सुंदर सागर जी महाराज ने कहा कि ''सांसारिक संबंध कर्मों का बंधन हैं, जबकि साधु-संतों का सानिध्य मोक्ष का साधन है।'' उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्म के पीछे आसक्ति, मोह, घृणा, प्रेम अथवा स्वार्थ जैसे आंतरिक भाव जुड़े होते हैं। यही भाव आत्मा को जन्म-मरण के चक्र में बांधते हैं। यदि मनुष्य मोह, अहंकार और कर्तापन के भाव से कर्म करता है, तो उसे उसके फल का भोग अवश्य करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सांसारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए भी भीतर से अनासक्त रहना ही कर्मबंधन से मुक्त होने का मार्ग है। साधु-संतों का सानिध्य मनुष्य को सत्संग, सात्विक ज्ञान और ध्यान के माध्यम से मोक्ष की दिशा में अग्रसर करता है। भक्ति का मार्ग साधक के मन को परमात्मा में लीन कर देता है और आत्मा का परमात्मा से साक्षात्कार कराने का माध्यम बनता है।

लायंस क्लब कोटा सेंट्रल ने लगाया नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर

महेश बाल विद्या निकेतन के 211 विद्यार्थियों की हुई आंखों की जांच, 46 बच्चों को दिए जाएंगे नि:शुल्क चश्मे

कोटा. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब कोटा सेंट्रल की ओर से महेश बाल विद्या निकेतन में विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन पूर्व प्रांतपाल एमजेएफ लायन विशाल माहेश्वरी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में किया गया। क्लब अध्यक्ष चंदा बरवाड़िया एवं सचिव ममता विजय ने बताया कि दो चोंच के बालाजी, इंदिरा मार्केट स्थित महेश बाल विद्या निकेतन में

आयोजित शिविर के दौरान 211 विद्यार्थियों की आंखों की जांच की गई। जोन चेयरपर्सन मधु बाहेती ने बताया कि क्लब के 'भविष्य का संरक्षण' प्रकल्प के अंतर्गत आयोजित इस सेवा गतिविधि में 46 विद्यार्थियों की दृष्टि दोष की पहचान हुई है। इन सभी बच्चों को क्लब की ओर से निःशुल्क नंबर के चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे। शिविर के दौरान सुमन शर्मा एवं मीता बागला ने कक्षा 7 एवं 8 के विद्यार्थियों के साथ ओपन माइक संवाद आयोजित कर नेत्र सुरक्षा, आंखों की देखभाल तथा मोबाइल का सीमित उपयोग करने के संबंध में जागरूक किया। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को क्लब अध्यक्ष चंदा बरवाड़िया द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में लायन राजकुमार गुप्ता, रामकृष्ण बागला, मीता बागला एवं सुमन शर्मा सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राजवाड़ा से उदासीन आश्रम तक उमड़ा आस्था का सैलाब

इंदौर. शाबाश इंडिया

मां अहिल्याबाई होलकर की धर्मनगरी इंदौर रविवार को धर्ममय वातावरण में सराबोर हो गई, जब चतुर्थ पट्टाचार्य एवं प्राकृताचार्य आचार्य 108 सुनीलसागर जी महाराज का संघस्थ 38 मुनिराजों एवं आर्यिका संघ के साथ ऐतिहासिक मंगल प्रवेश हुआ। रियासतकालीन राजवाड़ा परिसर में हजारों श्रद्धालुओं ने बैंड-बाजों, जयघोष एवं मंगल वंदनाओं के बीच आचार्य श्री का भव्य स्वागत किया। इसके बाद राजवाड़ा से उदासीन आश्रम तक विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। चातुर्मास समिति के मुख्य संयोजक इंद्रकुमार सेठी, वीणा सेठी, कैलाश लुहाड़िया, डॉ. जैनेन्द्र जैन, डॉ. गिरिश पाटोदी, प्रदीप बड़जात्या तथा महिला परिषद की संभाग अध्यक्ष मुक्ता जैन सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। राजवाड़ा पहुंचने पर आचार्य श्री ने मां अहिल्याबाई होलकर का स्मरण करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म संदेश दिया।

ऐलनाबाद में भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

नौ दिवसीय कथा में प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से होगा प्रवचन

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया। गौशाला रोड स्थित सनातन धर्मशाला में रविवार को भव्य कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा प्राचीन शिव मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सनातन धर्मशाला पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर उत्साह एवं श्रद्धाभाव के साथ भाग लिया। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा एवं जयकारों के साथ यात्रा का स्वागत किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर महंत भरतमुनि जी उदासीन महाराज के सान्निध्य में श्रीमद्भागवत कथा का विधिवत शुभारंभ हुआ। आयोजकों ने बताया कि कथा का आयोजन 12 जुलाई से 20 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक सनातन धर्मशाला में होगा। यह धार्मिक आयोजन राधा माधव महिला मंडल, ऐलनाबाद के तत्वावधान में किया जा रहा है। मंडल की ओर से श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कथा में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की गई है।

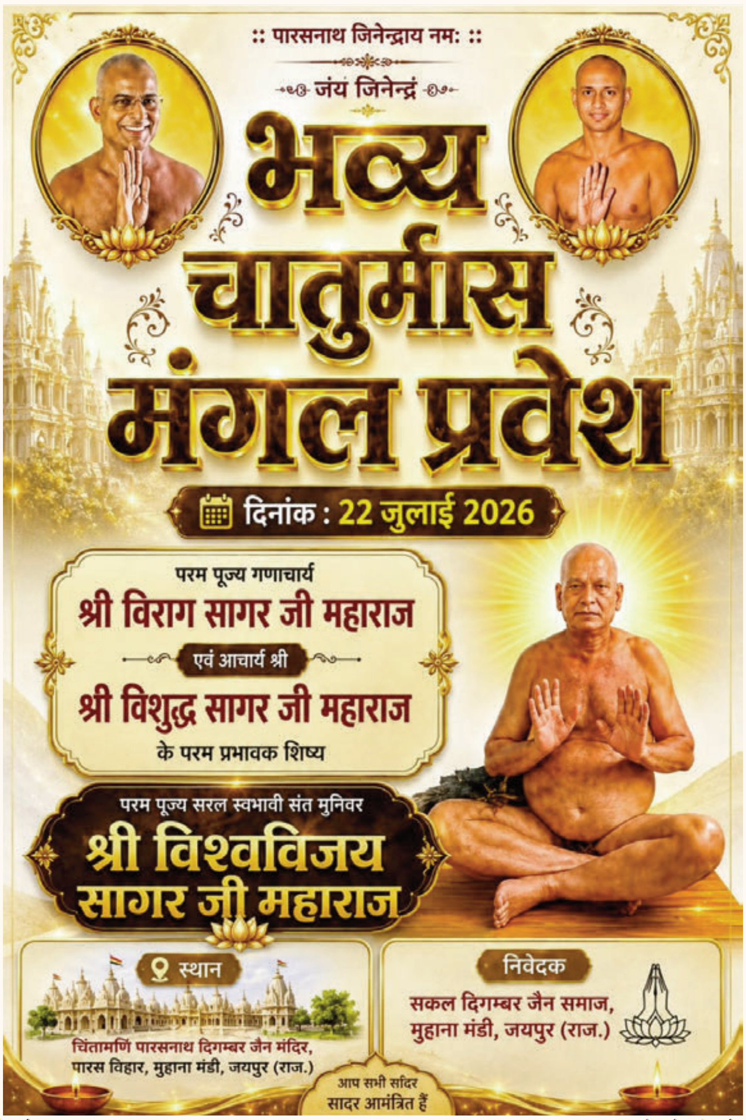

राष्ट्रीय स्तर के ''संस्कृति संगम 2.0'' में जीतो लेडीज विंग भीलवाड़ा का शानदार प्रदर्शन

''वस्त्र स्टोरीज'' प्रतियोगिता का खिताब जीतकर बढ़ाया राजस्थान का गौरव

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। जीतो लेडीज विंग भीलवाड़ा ने चेयरपर्सन नीता बाबेल के नेतृत्व में दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव ''संस्कृति संगम 2.0'' में शानदार प्रदर्शन करते हुए ''वस्त्र स्टोरीज'' प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। राजस्थान जोन की ओर से प्रस्तुत ''रंगीलो राजस्थान'' की सांस्कृतिक झांकी ने देशभर के प्रतिभागियों के बीच अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। महिला चैप्टर की सचिव अर्चना पाटोदी ने बताया कि प्रतियोगिता में टीम ने राजस्थान की पारंपरिक वेशभूषा, लोक संस्कृति, खान-पान, रीति-रिवाज, लोक परंपराओं एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को अत्यंत रचनात्मक एवं प्रभावशाली शैली में प्रस्तुत किया। प्रस्तुति में राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता और गौरवशाली परंपराओं का जीवंत चित्रण देखने को मिला, जिसकी निर्णायक मंडल एवं दर्शकों ने मुक्तकंठ से सराहना की। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर जीतो लेडीज विंग भीलवाड़ा की चेयरपर्सन नीता बाबेल को विजेता टीम की ओर से सम्मानित किया गया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय राजस्थान एपेक्स कन्वीनर सरिता लोढ़ा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा के साथ-साथ टीम के सभी सदस्यों की रचनात्मक सोच, समर्पण, परिश्रम और उत्कृष्ट टीम भावना को दिया। इस अवसर पर रजनी सिंघवी, स्वीटी नैनावटी, नीतू सुतारिया, सुरभि चोपड़ा, खुशबू मोदी, कविता चपलोत एवं पलक सिंघवी सहित टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

संस्कृति, सभ्यता, सेवा, परोपकार और जीवदया का संवाहक है जैन धर्म : आचार्य सुनीलसागर जी महाराज

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के तृतीय सत्र में प्राकृत भाषा के संरक्षण पर दिया गया विशेष जोर

इंदौर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन उदासीन आश्रम ट्रस्ट, कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ के तत्वावधान में आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''कालजयी विरासत, समकालीन विमर्श और स्वर्णिम भविष्य की रूपरेखा'' के तृतीय सत्र का शुभारंभ सोमवार को आचार्य 108 सुनीलसागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में हुआ। सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. नलिन के. शास्त्री (नई दिल्ली) ने प्राकृत भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन में प्राकृत साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। संगोष्ठी में अंतमुर्खी मुनि पूज्यसागर जी महाराज, मुनि संबुद्धिसागर जी महाराज, आचार्य विप्रणीतसागर जी महाराज, आचार्य श्री का संघ एवं आर्यिका संघ का सान्निध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर हाटपिपल्या के भैया जी का केशलोंच भी संपन्न हुआ। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य सुनीलसागर जी महाराज ने कहा कि ''प्राकृत प्रकृति की भाषा है। इसे आम बोलचाल, लेखन और व्यवहार में लाने के लिए सभी को प्रयास करना होगा।'' उन्होंने कहा कि जैन धर्म केवल एक धर्म नहीं, बल्कि जनधर्म भी है। यह संस्कृति, सभ्यता, सेवा, परोपकार, जीवदया और अहिंसा का संवाहक है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को देव, शास्त्र और गुरु के प्रति श्रद्धा एवं आस्था रखते हुए आत्मकल्याण के मार्ग पर अग्रसर होना चाहिए। आचार्य श्री की मंगलदेशना से पूर्व अतिथियों ने दीप प्रज्वलन एवं चित्र अनावरण किया।